माघ शुक्ल - 2 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 185 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शुक्रवार » 31-01-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

3 भाजपा गांधी की विरासत को मिटाने की कोशिश कर रही है : डीके शिवकुमार

4 कम दाम पर प्याज बेचने को मजबूर हैं किसान : गहलोत

5 केजरीवाल ने यमुना को प्रदूषित होने दिया : शाह

फर्स्ट टेक

अमृत स्नान, सभी प्रमुख स्नान पर्वों पर वीआईपी आवाजाही पर प्रतिबंध

महाकुंभ नगर/भाषा। महाकुंभ मेले में भारी संख्या में श्रद्धालुओं के आगमन को देखते हुए प्रदेश सरकार ने अमृत स्नान और सभी प्रमुख स्नान पर्वों पर विशिष्ट और अति विशिष्ट व्यक्तियों (वीआईपी व वीवीआईपी) के प्रोटोकॉल पर प्रतिबंध लगा दिया है। सरकार द्वारा जारी बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर अमृत स्नान और प्रमुख स्नान पर्वों पर तथा इसके समीप की तिथियों पर मेला प्रशासन किसी प्रकार का वीआईपी प्रोटोकॉल लागू नहीं करेगा। बयान के मुताबिक, इस पहल से आम श्रद्धालु विशिष्ट व्यक्तियों के आने-जाने के कारण होने वाली असुविधा से चिंता मुक्त होकर मेला क्षेत्र में घूम फिर सकेंगे।

फ्रांस के साथ राफेल-एम, स्कॉर्पीन समझौते पर जल्द मुहर लगाएगा भारत

नई दिल्ली/भाषा। भारत अपनी नौसेना की शक्ति बढ़ाने के लिए फ्रांस से राफेल लड़ाकू जेट के 26 नौसैनिक संस्करण और तीन स्कॉर्पीन पनडुब्बी की खरीद पर अगले कुछ हफ्ते में मुहर लगा सकता है। मामले से वाकिफ लोगों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। हालांकि, फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि राफेल-एम और स्कॉर्पीन की खरीद संबंधी घोषणा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आगामी पेरिस यात्रा के दौरान की जाएगी या नहीं। मोदी कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर आधारित दो दिवसीय शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए 10-11 फरवरी को पेरिस की यात्रा करेंगे। शिखर सम्मेलन से इतर उनके फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से द्विपक्षीय वार्ता करने की संभावना है। मामले से वाकिफ लोगों ने बताया कि दोनों समझौते अंतिम चरण में हैं और सुरक्षा मामलों पर कैबिनेट समिति (सीसीएस) को इन पर विचार करना होगा।

हमास ने आठ इजराइली बंधकों को छोड़ा

खान यूनिस (गाजा पट्टी)/एपी। गाजा पट्टी में संघर्ष-विराम समझौते के तहत चरमपंथी समूह हमास ने इजराइल पर हमले के दौरान बंधक बनाए गए आठ और लोगों को बृहस्पतिवार को रिहा कर दिया। वहीं, इजराइल ने भी बंधकों की रिहाई के बदले शाम से 110 फलस्तीनी कैदियों को रिहा करना शुरू कर दिया है, जिनमें इजराइलियों पर घातक हमलों के जुर्म में उम्रकैद की सजा काट रहे 30 कैदी शामिल हैं। रिहा किए गए कई कैदियों में 30 ऐसे हैं जो इजराइलियों के खिलाफ घातक हमलों के लिए आजीवन कारावास की सजा काट रहे हैं। कुछ को कब्जे वाले पश्चिमी तट पर लौटने की अनुमति दी गई है, जबकि अधिक गंभीर अपराधों के लिए दोषी ठहराए गए लोगों को निर्वासन से पहले मिस्र स्थानांतरित किया जा रहा है।

31-01-2025 सूर्यास्त 6:09 बजे | 01-02-2025 सूर्योदय 6:35 बजे

BSE	NSE
76,759.81 (+226.85)	23,249.50 (+86.40)

सोना	चांदी
8,548 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	106,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

कर सुख

कर परिवर्तन सुख लाएगा,
जनता को यह आशा है।
पर कर कब होता है सुखकर,
बहुत जटिल परिभाषा है।
थक कर पक कर कराचरण से,
हर मन जगी हताशा है।
कराधान से सुख विधान का,
सपना एक तमाशा है।।

बापू के आदर्श हमें विकसित भारत के निर्माण के लिए प्रेरित करते हैं : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 77वीं पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उनके आदर्श हमें विकसित भारत के निर्माण के लिए प्रेरित करते हैं।

मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''पूज्य बापू को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि। उनके आदर्श हमें विकसित भारत के निर्माण के लिए प्रेरित करते हैं। मैं हमारे राष्ट्र के लिए शहीद हुए सभी लोगों को भी श्रद्धांजलि देता हूं और उनकी सेवा एवं बलिदान को याद करता हूं।''

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महात्मा गांधी के समाधि स्थल राजघाट जाकर बापू को नमन किया और उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 1948 में आज ही के दिन नाथूराम गोडसे ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। बाद में मोदी ने महात्मा गांधी के समाधि स्थल राजघाट जाकर बापू को नमन किया और उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए।

इसकी तस्वीरें साझा करते हुए उन्होंने 'एक्स' पर कहा, ''इससे पहले राजघाट पर पूज्य बापू को श्रद्धांजलि अर्पित की। हम अपने राष्ट्र के लिए उनके दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हैं।''

प्रधानमंत्री मोदी ने राजघाट पर आयोजित सर्वधर्म प्रार्थना सभा में भी हिस्सा लिया। इस अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर सहित कई अन्य नेता भी मौजूद थे। प्रधानमंत्री शाम में गांधी स्मृति में आयोजित एक प्रार्थना सभा में शामिल हुए। गांधी स्मृति महात्मा गांधी का स्मारक है।

भारत अपना खुद का एआई मॉडल तैयार करेगा : वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ **वैष्णव ने भरोसा जताया कि भारत एक ऐसा आधारभूत मॉडल बनाएगा, जो विश्वस्तरीय होगा और दुनियाभर के सर्वश्रेष्ठ मॉडल के साथ मुकाबला कर सकेगा।**

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बृहस्पतिवार को देश की एआई (कृत्रिम मेधा) महत्वाकांक्षाओं को रेखांकित करते हुए कहा कि भारत आने वाले महीनों में अपना खुद का आधारभूत मॉडल तैयार करेगा। उन्होंने कहा कि भारत स्टार्टअप और शोधकर्ताओं के उपयोग के लिए 18,693 ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट (जीपीयू) द्वारा संचालित सबसे सस्ती कॉमन कम्प्यूट सुविधा तैयार करेगा, जिसकी मदद से चैटजीपीटी, डीपसीक आर1 और ऐसे ही दूसरे एआई मॉडल को टक्कर दी जा सकती है।

भारत का यह साहसिक कदम ऐसे समय में सामने आया है, जब चीनी कंपनी डीपसीक ने अपने एआई मॉडल से लोगों का ध्यान खींचा है। डीपसीक ने एआई के क्षेत्र में अमेरिकी कंपनियों के प्रभुत्व को चुनौती दी है।

वैष्णव ने भरोसा जताया कि भारत एक ऐसा आधारभूत मॉडल बनाएगा, जो विश्वस्तरीय होगा और दुनियाभर के सर्वश्रेष्ठ मॉडल के साथ मुकाबला कर सकेगा।

भारत ने बृहस्पतिवार को अपने एआई मसौदे में अगले चरणों की घोषणा की, जिसमें शामिल बोलीदाताओं (जियो प्लेटफॉर्म्स, सीएमएस कंप्यूटर, टाटा कम्युनिकेशंस, ई2ई नेटवर्क, योटा डेटा सर्विसेज और अन्य शामिल हैं) ने 18,693 जीपीयू की पेशकश की। इसके अलावा आठ परियोजनाओं को भी मंजूरी दी गई।

आईटी मंत्री वैष्णव ने भारत को वैश्विक एआई केंद्र में लाने का वादा करते हुए कई घोषणाएं की और कहा कि एक एआई सुरक्षा संस्थान शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा, आधुनिक तकनीक को सभी के लिए सुलभ बनाना, यही हमारे प्रधानमंत्री की आर्थिक सोच है... इस समय हमारे पास सबसे सस्ती कंप्यूटिंग सुविधा है।

बसनगौड़ा यतनाल ने फिर दिखाए तीखे तेवर, भाजपा नेतृत्व पर छोड़े शब्दबाण

विजयेंद्र येडीयुरप्पा पर 'मैनेज' करने का लगाया आरोप

■ **कहा- 'हमें पार्टी को बचाना होगा'**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। भाजपा के वरिष्ठ नेता और विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने एक बार फिर पार्टी के नेतृत्व पर शब्दबाण छोड़े हैं। उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा से लेकर पूर्व प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह पर भी निशाना साधा है। जब संवाददाताओं ने उनसे पूछा कि आप पहले भी कई बार पार्टी लाइन के खिलाफ बोल चुके हैं, क्या लगता है कि आपकी बात को मजबूती मिलती जा रही है, तो उन्होंने कहा कि मजबूती की कोई बात ही नहीं है, अब सबको समझ में आ रहा है कि प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा किस तरह के व्यक्ति हैं और एक साल में ही पार्टी का भट्ठा बैठा दिया।

यतनाल ने कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार, मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, मंत्री प्रियांक खरगे का भी नाम लेते हुए विजयेंद्र पर हमला बोला कि विजयेंद्र का इनके साथ एडजस्टमेंट है। उन्होंने प्रदेश भाजपा के कमजोर विपक्ष होने का दावा किया और कहा कि विपक्ष का कोई काम नहीं हो रहा है।

यतनाल ने प्रदेश भाजपा के 'कुछ नेताओं' के लिए कहा कि जैसे ही सदन में कोई मुद्दा उठता है तो वे वॉकआउट कर जाते हैं, क्योंकि उन्हें डर है कि सिद्दरामय्या कहीं उनकी कारगुजारियों को 'उजागर' न कर दें।

यतनाल ने कहा कि समय आ गया है कि हमें पार्टी को बचाना होगा। हालांकि हमारे पास न तो विजयेंद्र की तरह पैसा है और न हम भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। 'उसके' पास तो बहुत पैसा है, वह सबको 'मैनेज' करता है। हम तो केवल जनप्रतिनिधि हैं, आंदोलन ही कर सकते हैं। यतनाल ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष को लेकर कहा कि यह जिम्मेदारी ऐसे व्यक्ति को देनी चाहिए, जो लोकप्रिय हो। पैसे देनेवालों को प्रदेश अध्यक्ष बनाने से कैसे चलेगा?

जब उनसे पूछा गया कि क्या आप भी प्रदेश अध्यक्ष बनने की रेस में हैं, तो उन्होंने कहा कि अगर नए प्रदेश अध्यक्ष को चुनने की प्रक्रिया सही तरीके से होती है तो मैं 100 प्रतिशत रेस में हूं।जब यतनाल से यह पूछा गया कि क्या 28 जिलों के भाजपा अध्यक्ष बनाने से पहले आपकी राय ली गई थी तो उन्होंने कहा कि मुझे तो छोड़िए, बसवराज बोम्मई और गोविंद करजोल जैसे वरिष्ठ नेताओ को भी नहीं पूछा गया। 'बापड़ेटे' ने मिलकर सूची बनाई थी।

यतनाल ने आरोप लगाया कि जो लोग पहले केजेपी (येडीयुरप्पा द्वारा पूर्व में बनाई गई पार्टी) में थे, इनके निकटवर्ती हैं, उन्हें ही जिला अध्यक्ष बना दिया गया। उन्होंने आला कमान द्वारा विजयेंद्र को प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए। साथ ही अरुण सिंह को लपेटे में लेते हुए कहा कि वे कर्नाटक से करोड़पति बनकर गए हैं। वे सरकार गिरते ही यहाँ से राजस्थान भाग गए और मौज कर रहे हैं । जब यतनाल से प्रदेश भाजपा प्रभारी डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल के बारे में पूछा गया तो यह कहकर चले गए कि उनके बारे में आगे बताऊंगा।

यात्री विमान की सेना के हेलीकॉप्टर से टक्कर, 64 लोगों के मारे जाने की आशंका

अलिंगटन (अमेरिका)/एपी। सेना के एक हेलीकॉप्टर से अमेरिकन एयरलाइंस के विमान की टक्कर होने से उसमें सवार सभी 64 लोगों के मारे जाने की आशंका है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इस दुर्घटना को अमेरिका के गत 25 साल के इतिहास का सबसे भीषण विमान हादसा माना जा रहा है।

स्वीडन में कुरान जलाने के कई मामलों में शामिल इराकी व्यक्ति

सलवान मोमिका की हत्या

स्टॉकहोम/एपी। स्वीडन में कुरान जलाने के कई मामलों में शामिल रहे इराकी मूल के व्यक्ति की मौत हो गई है। स्टॉकहोम में एक न्यायाधीश ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। स्वीडिश मीडिया के मुताबिक उक्त व्यक्ति की स्टॉकहोम के नजदीकी शहर में हुई गोलीबारी में मौत हुई।

सलवान मोमिका (38) ने 2023 में स्वीडन में इस्लाम की पवित्र किताब को जलाने और अपवित्र करने की कई घटनाओं को अंजाम दिया था। कुरान को जलाने का वीडियो प्रसारित होने के बाद कई मुस्लिम देशों में आक्रोश और आलोचना देखने को मिला और कई जगहों पर दंगे और अशांति की घटनाएं सामने आईं। स्टॉकहोम जिला अदालत ने कहा कि मोमिक नामक एक आरोपी के मुकदमे में बृहस्पतिवार को आने वाला फैसला स्थगित कर दिया गया है क्योंकि एक आरोपी की मृत्यु हो गई है। न्यायाधीश गोरान लुंडाहल ने पुष्टि की कि मृतक मोमिक ही है। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है कि मोमिक की मौत कब और कैसे हुई। पुलिस ने बताया कि उन्हें स्टॉकहोम के पास सोडरटालजे में बुधवार रात गोलीबारी की सूचना मिली थी, जिसमें एक व्यक्ति गोली लगने से घायल हो गया था, बाद में उसकी मौत हो गई और हत्या की प्रारंभिक जांच शुरू कर दी गई है। प्रसारक एसवीटी ने सूत्रों के हवाले से बताया कि पीड़िता मोमिक ही था। इसने कहा कि मोमिक 2018 में इराक से स्वीडन आया था और उसे 2021 में तीन साल का निवास परमिट दिया गया था। अभियोजक रासमस ओमान ने स्वीडिश समाचार एजेंसी टीटी को बताया कि इस मामले में कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने इस बारे में विस्तार से कुछ नहीं बताया।

ताइवान में 5.6 तीव्रता का भूकंप

ताइपे/एपी। ताइवान में बृहस्पतिवार सुबह 5.6 तीव्रता का भूकंप आया और इसके बाद भूकंप के कम से कम 12 अन्य मामूली झटके महसूस किए गए। केंद्रीय मौसम एजेंसी और अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, ताइवान में भूकंप के कई झटके महसूस किए गए लेकिन सबसे जोरदार 5.6 तीव्रता का भूकंप पूर्वाह्न 10 बजकर 11 मिनट पर चियाई काउंटी के दापू कस्बे में 10 किलोमीटर की गहराई पर आया। इस भूकंप का केंद्र राजधानी ताइपे से लगभग 250 किलोमीटर (155 मील) दक्षिण में था। इस भूकंप के कारण ताइपे में इमारतें हिल गईं। इसके कुछ ही देर बाद दापू में भूकंप के कम से कम 12 मामूली झटके आए। इस दौरान जान-माल का नुकसान होने की फिलहाल कोई सूचना नहीं मिली है। ये 21 जनवरी को दापू में आए 6.4 तीव्रता के भूकंप के बाद के झटके थे। दापू में 21 जनवरी को आए भूकंप में 15 लोगों को मामूली चोटें आईं थीं और इमारतों एवं एक राजमार्ग पुल को नुकसान पहुंचा था।

बजट सत्र में किन मुद्दों पर चर्चा होगी, उसका फैसला बीएसी करेगी : किरेन रीजीजू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने बृहस्पतिवार को सभी दलों से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि संसद का बजट सत्र सार्थक हो।

संसदीय कार्य मंत्री ने यह भी कहा कि जिन मुद्दों पर चर्चा की जाएगी उन पर कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी) निर्णय करेगी।

सर्वदलीय बैठक के बाद संवाददाताओं से बातचीत में रीजीजू ने कहा कि बैठक सकारात्मक रही।

बैठक में 36 दलों के 52 नेताओं ने भाग लिया। रीजीजू ने कहा, पार्टी नेताओं ने कुछ मुद्दे उठाए और उन मुद्दों पर चर्चा की मांग की। कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी)तय करेगी कि किन मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

महाकुंभ में भगदड़ पर चर्चा की विपक्ष की मांग के बारे में पूछे जाने पर मंत्री ने कहा कि निर्णय बीएसी द्वारा लिया जाएगा। रीजीजू ने कहा, कई महत्वपूर्ण मुद्दे हैं... कुंभ का भी उल्लेख किया गया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस बैठक की अध्यक्षता की। यह पारंपरिक बैठक राजनीतिक दलों को सरकार के विधायी एजेंडे के बारे में सूचित करने और सत्र के दौरान उनके द्वारा उठाए जाने वाले मुद्दों पर जानकारी प्राप्त करने के लिए बुलाई जाती है। इससे पहले,

राज्यसभा में कांग्रेस के उप नेता प्रमोद तिवारी ने बृहस्पतिवार को कहा कि विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' ('इंडिया') संसद के बजट सत्र में सभी मुद्दों को उठाएगा। सर्वदलीय बैठक के बाद तिवारी ने 'महाकुंभ के राजनीतिकरण' की भी आलोचना की और कहा कि महाकुंभ के दौरान अतिविशिष्ट लोगों की आवाजाही से आम आदमी के लिए मुश्किलें पैदा हो रही हैं। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी इस धार्मिक आयोजन के ''सत्तारूढ़ भाजपा से जुड़े वीआईपी लोगों की सभा बनने'' के मुद्दे को उठाएगी।

तिवारी ने कहा कि सत्र के दौरान बढ़ती बेरोजगारी और किसानों की ''दुर्दशा'' का मुद्दा भी उठाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि 'इंडिया' गठबंधन आम लोगों की समस्याओं को उजागर करने के लिए सत्र में सभी मुद्दों को एक साथ उठाएगा।

सरकार ने संसद के बजट सत्र से पहले बृहस्पतिवार को सभी राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ बैठक की।

सत्र की शुरुआत शुक्रवार को दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में राष्ट्रपति के अभिभाषण से होगी और बजट एक फरवरी को पेश किया जाएगा।

सत्र का पहला चरण 13 फरवरी को समाप्त होगा और दूसरा चरण 10 मार्च से शुरू होकर चार अप्रैल तक चलेगा।

सर्वदलीय बैठक में भाजपा के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जे पी नड्डा, कांग्रेस के गौरव गोगोई और जयराम रमेश, द्रविड़ मुनेत्र कषगम के टी. आर. बालू, तृणमूल कांग्रेस के सुदीप बंद्योपाध्याय और डेरेक ओ ब्रायन समेत कई नेताओं ने भाग लिया।

कुछ नेताओं ने उन लोगों से हाथ मिला लिया है जो मणिपुर को तोड़ना चाहते हैं : मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने दावा किया कि राज्य में जातीय मुद्दों पर बहुत अधिक राजनीति ने लोगों को भ्रमित कर दिया है और आंतरिक संघर्ष पैदा कर दिया है। उन्होंने दावा किया कि सियासी नेताओं के एक वर्ग ने उन लोगों के साथ हाथ मिला लिया है जो राज्य को तोड़ना चाहते हैं।

मुख्यमंत्री ने थौबल जिले के खांगाबोक में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि कई लोग अब भी राज्य के मौजूदा मुद्दों को नहीं समझ पा रहे हैं जिसकी वजह से मेईती और कुकी समुदाय हिंसा की चपेट में है और मई 2023 से अबतक 250 से अधिक लोग मारे गए हैं और हजारों लोग बेघर हुए हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का विरोध मणिपुर में नए प्रवासियों के खिलाफ है, जो मादक पदार्थ संबंधी गतिविधियों में संलिप्त हैं, न कि उन लोगों के खिलाफ जो पहले से यहां आकर बस गए हैं। उन्होंने कहा, हमारा कर्तव्य यह समझना और महसूस करना है कि असली विरोधी कौन हैं और किसने हम पर हमले किए हैं। हमें उनसे खुद का बचाव करना होगा। हालांकि, बहुत अधिक राजनीति ने लोगों को भ्रमित कर दिया है और आंतरिक संघर्ष पैदा कर दिया है। यहां तक कि कुछ नेता भी मणिपुर को तोड़ने की चाहत रखने वालों के साथ मिल गए हैं।

आप और कांग्रेस अब एक दूसरे के भ्रष्टाचार को उजागर कर रहे हैं: भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि दोनों पार्टियों ने करीब छह महीने पहले एक-दूसरे को क्लीन चिट दे दी थी, लेकिन अब एक-दूसरे के भ्रष्टाचार को उजागर कर रहे हैं। त्रिवेदी ने यहां दिल्ली प्रदेश भाजपा कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने आप के शराब घोटाले के लिए बयान दिया है कि यह खुला भ्रष्टाचार है और पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल भ्रष्ट हैं। उन्होंने कहा कि वह (केजरीवाल) इसके बाद भी खुद को ईमानदारी का प्रमाणपत्र दे रहे हैं। त्रिवेदी ने कहा कि केजरीवाल ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेशनल हेराल्ड भ्रष्टाचार मामले में शामिल है। उन्होंने कहा, भारतीय राजनीति में ये दोनों घोटाले अद्भुत हैं। जहां तक शराब घोटाले की बात है तो आपने कभी नहीं देखा होगा कि सरकार कोई नीति बनाती है और बाद में उसे वापस ले लेती है। नीति को वापस लेने के बाद वे कहते हैं कि यह अच्छी है तथा वे मीडिया में इसका बचाव भी कर रहे हैं।

सीईसी राजनीति कर रहे, उन्होंने निर्वाचन आयोग की विश्वसनीयता नष्ट की : केजरीवाल

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार पर बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि वह हरियाणा सरकार पर यमुना में जहर मिलाने का आरोप लगाने को लेकर उन्हें नोटिस भेजकर राजनीति कर रहे हैं।

केजरीवाल ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान आरोप लगाया कि कुमार ने निर्वाचन आयोग (ईसी) की विश्वसनीयता नष्ट कर दी है और उनकी सेवानिवृत्ति के बाद कोई पद पाने की इच्छा है। उन्होंने कहा, निर्वाचन आयोग को राजीव कुमार जितना नुकसान किसी ने नहीं पहुंचाया है। अगर वह चाहें तो दिल्ली की किसी भी विधानसभा सीट से चुनाव लड़ सकते हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने किसी का नाम लिए बगैर कहा, मैं जब तक जिंदा हूं, दिल्ली के लोगों को जहरीला पानी नहीं पीने दूंगा। मुझे पता है कि वे मुझे दो दिन में गिरफ्तार कर लेंगे, लेकिन मैं डरने वाला नहीं हूं। केजरीवाल की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब निर्वाचन आयोग ने उसके नोटिस पर 'आप' प्रमुख के जवाब पर असंतोष जाहिर करने के साथ ही उन्हें हरियाणा सरकार के खिलाफ लगाए गए आरोपों पर स्पष्टीकरण देने का एक और मौका प्रदान किया है।

देश को मध्यम आय के जाल में फंसा रही है मोदी सरकार: कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने केंद्रीय बजट पेश किए जाने से दो दिन पहले बृहस्पतिवार को अर्थव्यवस्था की स्थिति को लेकर एक रिपोर्ट जारी की और दावा किया कि मोदी सरकार भारत को मध्यम आय के जाल (मिडल इनकम ट्रैप) में फंसा रही है, जिससे देश अप्रतिस्पर्धी होने के साथ अल्प उत्पादन और असमानता की चपेट में आ जाएगा।

मुख्य विपक्षी दल ने यह भी कहा कि सरकारी आंकड़ों में भले ही वर्ष 2024-25 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि 6.4 प्रतिशत होने की उम्मीद जताई गई है, लेकिन यह दर कोई जश्न मनाने वाली स्थिति नहीं है क्योंकि यदि भारत अपनी आबादी का लाभ लेना चाहता है तो उसे आठ प्रतिशत वृद्धि हासिल करनी होगी। उसने आरोप लगाया कि कि सरकार देश को 'मिडल इनकम ट्रैप' में फंसा रही है। 'मिडिल इनकम ट्रैप' एक ऐसी स्थिति है जिसमें किसी देश की प्रति व्यक्ति आय मध्य स्तर तक ही सिमट कर रह जाती है और उच्च आय की श्रेणी की तरफ नहीं बढ़ पाती। कांग्रेस के अनुसंधान विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर एम वी राजीव गौड़ा और उनकी टीम ने 'अर्थव्यवस्था की वास्तविक स्थिति 2025' शीर्षक वाली यह रिपोर्ट तैयार की है, जिसे बृहस्पतिवार को यहां पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने जारी किया। इस मौके पर चिदंबरम ने दावा किया कि अर्थव्यवस्था सुस्ती में है तथा आर्थिक वृद्धि दर में गिरावट आ रही है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत पिछले कुछ वर्षों में लक्ष्य हासिल करने में लगातार विफल रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024 में परिस्थितियों के अनुकूल होने के बावजूद जीडीपी वृद्धि दर में गिरावट हुई।

सरदार पटेल के निधन के बाद शासन संबंधी सुधार रुके, मोदी के प्रधानमंत्री बनने पर फिर मिली गति : केंद्रीय मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गांधीनगर/भाषा। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि देश के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल के निधन के बाद शासन में जो सुधार रुक गए थे, उन्हें 2014 में नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने पर फिर गति मिली।

कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन राज्य मंत्री सिंह ने गुजरात की राजधानी गांधीनगर में दो दिवसीय 'सुशासन पर राष्ट्रीय सम्मेलन' के उद्घाटन के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा, सरदार वल्लभभाई पटेल ने भारतीय सिविल सेवा की जगह लेने वाले भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) की शुरुआत की। उन्होंने इस सेवा को भारत का स्टील फ्रेम करार दिया। मंत्री ने कहा, उन्होंने (पटेल ने) देश की जरूरतों के अनुरूप शासन व्यवस्था में बदलाव लाने की जरूरत पर भी जोर दिया। दुर्भाग्य से उस दिशा में कोई उल्लेखनीय प्रगति नहीं हो सकी, क्योंकि भारत को आजादी मिलने के कुछ ही वर्षों के भीतर उनका निधन हो गया।

सिंह ने कहा, सौभाग्य से 2014 के बाद निर्णायक मोड़ आया, जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पदभार संभाला और न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन का मंत्र दिया। उन्होंने दावा किया कि मोदी के अपने मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान गुजरात में शुरू किए गए शासन मॉडल को आज अन्य राज्य भी अपना रहे हैं। सिंह ने कहा कि जब मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तब केंद्र सरकार की ओर से शुरू किए गए शासन संबंधी कई सुधार राज्य में सफलतापूर्वक लागू किए गए। उन्होंने कहा, इस मॉडल में अधिक पारदर्शिता, अधिक जवाबदेही, नागरिक केंद्रित दृष्टिकोण, प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल और भ्रष्टाचार के प्रति कतई बर्दाश्त न करने की नीति शामिल है। ये सभी सुधार इतने वर्षों में बहुत ही संवेदनशीलता के साथ लागू किए गए।

छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में वेदांता समूह 100 अत्याधुनिक 'नंद घर' स्थापित करेगा

सक्ती (छत्तीसगढ़)/भाषा। छत्तीसगढ़ में कार्यरत वेदांता समूह राज्य के सक्ती जिले में 100 अत्याधुनिक 'नंद घर' स्थापित करेगा। वेदांता समूह के अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि वेदांता समूह महिला एवं बाल विकास पहल 'प्रोजेक्ट नंद घर' के तहत छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में 100 'नंद घर' स्थापित करेगा।

उनके मुताबिक, इस परियोजना के वास्ते वेदांता समूह के लिए सामुदायिक विकास का कार्य करने वाली संस्था 'अनिल अग्रवाल फाउंडेशन' (एएफ) और सक्ती जिले के महिला एवं बाल विकास विभाग के बीच पिछले दिनों एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। पहल को वेदांता लि. छत्तीसगढ़ थर्मल पावर प्लांट (वीएलसीटीपीपी) द्वारा सहायता दी जाएगी। वीएलसीटीपीपी राज्य के सिंघीतराई में निर्माणाधीन थर्मल पावर प्लांट है, जिसकी कुल क्षमता 1,200 मेगावाट है। इस परियोजना के लिए सक्ती जिले में महिला एवं बाल विकास विभाग ने 100 आंगनवाड़ियों की सूची तैयार की है, जिन्हें आधुनिक नंद घरों में तब्दील किया जाएगा। सीईओ शशि अरोड़ा ने बताया, देश के 15 राज्यों में सात हजार से अधिक 'नंद घर' पहले से ही सफलतापूर्वक संचालित हो रहे हैं, जिससे 5 लाख से अधिक बच्चों और महिलाओं पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

मोदी, योगी को कुंभ में भगदड़ की जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देना चाहिए: कांग्रेस

मुंबई/भाषा। कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख नाना पटोले ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को महाकुंभ में मची भगदड़ की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि कुंभ में बहुत अधिक 'इवेंटबाजी' हो रही है और केवल प्रधानमंत्री मोदी और आदित्यनाथ के बैनर ही दिखाई दे रहे हैं। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ के संगम क्षेत्र में मंगलवार देर रात मची भगदड़ में कम से कम 30 लोगों की मौत हो गई और 60 अन्य घायल हो गए। लाखों की संख्या में श्रद्धालु 'मौनी अमावस्या' के अवसर पर स्नान करने के लिए जगह पाने के वास्ते धक्का-मुक्की कर रहे थे।

दक्षिणी राज्यों का जनसंख्या वृद्धि पर जोर देना अच्छा विचार नहीं: सुब्बाराव

हैदराबाद/भाषा। केंद्र द्वारा राज्यों को दिए जाने वाले कोष में असमानताओं को दूर करने के लिए कुछ दक्षिणी राज्यों के जनसंख्या वृद्धि का आह्वान करने के बीच आरबीआई के पूर्व गवर्नर डी सुब्बाराव ने बृहस्पतिवार को कहा कि आबादी बढ़ाना कोई समाधान नहीं है। यहां तीसरे बीपीआर विट्ठल स्मारक व्याख्यान सत्र को संबोधित करते हुए सुब्बाराव ने कहा कि भाजपा, जो पहले मुफ्त की सुविधाओं को ''रेवड़ी संस्कृति'' कहती थी, अब दिल्ली विधानसभा चुनाव प्रचार में योजनाएं पेश करने में आम आदमी पार्टी (आप) के साथ प्रतिस्पर्धा कर रही है। उन्होंने हालांकि कहा कि एक गरीब देश में जहां लाखों लोग दैनिक जीवन के लिए संघर्ष करते हैं, सरकार के लिए लोगों की मदद करना अनिवार्य है। कुछ राज्यों द्वारा महिलाओं को सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा की पेशकश के बारे में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व प्रमुख ने कहा कि इस बात का कोई सबूत नहीं है कि यह उनकी मदद करने का सबसे बेहतर तरीका है।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत अक्टूबर तक 20 लाख घरों में होगी सौर प्रणाली : श्रीपाद येसो नाइक

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय बिजली और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्यमंत्री श्रीपाद येसो नाइक ने कहा कि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत छतों पर लगाए जा रहे सौर संयंत्रों की संख्या अक्टूबर 2025 तक 20 लाख के आंकड़े पर पहुंचने की उम्मीद है। उन्होंने यहां उद्योग मंडल पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) के 'डिस्कॉम' सम्मेलन में कहा कि मार्च तक छतों पर लगभग 10 लाख सौर संयंत्र स्थापित होने की उम्मीद है। पीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना छतों पर सौर प्रणाली लगाने की दुनिया की सबसे बड़ी पहल है। इस योजना के तहत मार्च, 2027 तक एक करोड़ घरों की छतों पर सौर ऊर्जा प्रणाली स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। नाइक ने कहा कि योजना के तहत मार्च तक सौर प्रणाली की संख्या 10 लाख का आंकड़ा पार कर जाने और अक्टूबर तक यह संख्या दोगुनी होकर 20 लाख हो जाने की उम्मीद है। मंत्री ने कहा कि योजना के तहत मार्च, 2026 तक यह आंकड़ा 40 लाख तक और अंततः मार्च, 2027 तक एक करोड़ तक पहुंच जाएगा।

दिल्ली में उम्मीदवारों पर ध्यान दिए बिना भाजपा को वोट दें : राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आम आदमी पार्टी (आप) पर जन लोकपाल सहित अन्य वादे तोड़ने का आरोप लगाते हुए बृहस्पतिवार को दिल्ली के लोगों से उम्मीदवारों पर ध्यान दिए बिना भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को वोट देने की अपील की।

दिल्ली कैंट में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए राजनाथ ने दावा किया, भाजपा एकमात्र ऐसी पार्टी है, जिसने अपने घोषणापत्र में किए गए सभी वादे पूरे किए हैं... मैं आपसे आग्रह करूंगा कि आप सब कुछ भूल जाएं और भाजपा को वोट दें। उन्होंने कहा, दिल्ली में भाजपा के पक्ष में मतदान करें और यह न देखें कि उम्मीदवार कौन है। आपका वोट प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए होगा। रक्षा मंत्री ने भरोसा दिलाया कि दिल्ली में भाजपा की सरकार बनने पर सभी योजनाएं जारी रहेंगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली वासियों को 'आयुष्मान भारत' जैसी केंद्रीय योजनाओं का भी लाभ मिल सकेगा, जिसे सरकार बनने के 10 दिनों के भीतर लागू किया जाएगा। राजनाथ ने कहा कि सभी झुग्गियों में 'अटल कैंटीन' स्थापित की जाएंगी, जो पांच रुपए में भोजन उपलब्ध कराएंगी। उन्होंने 'आप' पर निशाना साधते हुए पार्टी के लिए 'आपदा' शब्द का इस्तेमाल किया और उस पर अपने चुनावी वादे, खासकर जन लोकपाल स्थापित करने के वादे को पूरा नहीं करने का आरोप लगाया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, अन्ना हजारे के आंदोलन के दौरान अरविंद केजरीवाल ने कहा था कि वह कोई राजनीतिक दल नहीं बनाएंगे। अन्ना हजारे के आंदोलन पर लोगों ने जो भरोसा जताया, उसका इस्तेमाल उन्होंने (केजरीवाल) दिल्ली में सरकार बनाने के लिए किया... लेकिन क्या उन्होंने अपने वादे पूरे किए? रक्षा मंत्री ने कहा, उन्होंने (केजरीवाल) कहा था कि वे जन लोकपाल स्थापित करेंगे... लेकिन आज दिल्ली में कितने सारे घोटाले हुए हैं।

ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह ने सीआरपीएफ महानिदेशक पद का कार्यभार संभाला

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के वरिष्ठ अधिकारी ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह ने बृहस्पतिवार को सीआरपीएफ के महानिदेशक (डीजी) का पदभार ग्रहण किया। असम-मेघालय कैडर के 1991 बैच के अधिकारी सिंह हाल तक असम के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पद पर कार्यरत थे। नए महानिदेशक ने लोधी रोड स्थित सीजीओ कॉम्प्लेक्स स्थित केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) मुख्यालय में कार्यभार संभाला। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उन्हें पारंपरिक गारद सलामी दी गई।

स्वाति मालीवाल ने केजरीवाल के खिलाफ प्रदर्शन किया, आवास के बाहर कूड़ा फेंका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल ने बृहस्पतिवार को दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के घर के बाहर विरोध स्वरूप कूड़ा फेंका जिसके बाद पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया।

मालीवाल और उनके सहयोगियों ने विकासपुरी में सड़कों से कूड़ा उठाया, उसे तीन मिनी ट्रकों में भरा और फिरोजशाह रोड पर केजरीवाल के घर पहुंचे। उन्होंने वहां जमीन पर कूड़ा फेंका, जिसके बाद महिला पुलिसकर्मियों ने उन्हें रोका और वहां से हटा दिया।

केजरीवाल के पांच फिरोजशाह रोड स्थित आवास के पास सैकड़ों महिलाएं हाथों में तख्तियां लिए देखी गईं, जिन पर लिखा था, मुस्कुराइए, आप' दिल्ली में हैं''। मालीवाल कचरा उठाने वाले तीन ट्रक में से एक में सवार होकर वहां पहुंचीं। इससे पहले उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक वीडियो साझा किया था जिसमें वह और अन्य लोग विकासपुरी से कूड़ा इकट्ठा करते दिख रहे हैं। उन्होंने पोस्ट में लिखा, विकासपुरी में वर्षों से सड़कों पर कूड़े के ढेर लगे हुए हैं। लोग बहुत गुस्से में हैं। वे यह सारा कूड़ा इकट्ठा करके केजरीवाल के घर पर फेंकने जा रहे हैं। उन्होंने कहा, पूरी दिल्ली की हालत खराब हो गई है। दिल्ली वाले रोज जो गंदगी और बदबू झेलते हैं, आज वही केजरीवाल जी को झेलना पड़ेगा... जनता आ रही है, केजरीवाल जी, डरो मत। घटना के मद्देनजर केजरीवाल के आवास के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, हमने कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए अवरोधक लगा दिए हैं और अतिरिक्त पुलिसकर्मियों को तैनात किया है। किसी को भी कानून तोड़ने की इजाजत नहीं दी जाएगी।

नड्डा ने 'यमुना में जहर' को लेकर केजरीवाल पर निशाना साधा, आप प्रमुख को 'राष्ट्र विरोधी' करार दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने भ्रष्टाचार के मुद्दे पर बृहस्पतिवार को दिल्ली में सत्तारूढ़ 'आप' पर निशाना साधा और लोगों से आगामी चुनाव में राष्ट्रीय राजधानी को ''आप-दा'' मुक्त बनाने का आह्वान किया।

नड्डा ने यहां कृष्णा नगर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख अरविंद केजरीवाल की इस टिप्पणी के लिए भी आलोचना की कि हरियाणा सरकार ''यमुना में जहर घोल रही है। नड्डा ने इस तरह का आरोप लगाने के लिए केजरीवाल को ''राष्ट्र-विरोधी'' करार दिया। उन्होंने कहा, वह दिल्ली और हरियाणा के लोगों को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा कर रहे हैं। वह लोगों में दहशत पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। वह राजनीति में बने रहने के लायक नहीं हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि 'आप' के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार ने यमुना सफाई परियोजनाओं में घोटाला किया है। उन्होंने कहा, मैं देख सकता हूं कि आपने दिल्ली में भाजपा की सरकार बनाने का मन बना लिया है। यह कोई साधारण चुनाव नहीं है, यह दिल्ली की तकदीर और तस्वीर बदलने का चुनाव है। नड्डा ने रैली में कहा, यह चुनाव दिल्ली को उस आम आदमी पार्टी से मुक्त करने के लिए है, जिसे 'आप-दा' के रूप में जाना जाता है... यह चुनाव आपको उन सभी समस्याओं से मुक्त करने के लिए है, जिनका सामना आपने उनके कार्यकाल में किया है।

श्रीलंका की जेल से रिहा हुए तमिलनाडु के छह मछुआरे चेन्नई पहुंचे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्रीलंका की जेल से रिहा किए गए तमिलनाडु के रामेश्वरम जिले के छह मछुआरे यहां पहुंच गए हैं। चेन्नई हवाई अड्डे पर एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के हस्तक्षेप से उनकी रिहाई संभव हो सकी। कोलंबो से विमान पर सवार होकर बुधवार रात छह लोग यहां हवाई अड्डे पर पहुंचे। राज्य के अधिकारियों ने उनका स्वागत किया और सड़क मार्ग से उनके गृह जिले तक उन्हें पहुंचाने में मदद की।

श्रीलंकाई तटरक्षक बल ने इन मछुआरों को उस समय गिरफ्तार कर लिया था जब ये 12 जनवरी को मछली पकड़ने निकले थे और कथित तौर पर समुद्री सीमा पार कर गए थे। इन मछुआरों की नौका भी जब्त कर ली गई थी। बाद में उन्हें अदालत में पेश किया गया और हिरासत में लिया गया। उल्लेखनीय है कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने केंद्रीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर को पत्र लिखकर गिरफ्तार लोगों की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए केंद्र से तत्काल हस्तक्षेप किए जाने की मांग की थी।

दक्षिण रेलवे ने मनाया 69 वां रेलवे सप्ताह

दक्षिण रेलवे के महाप्रबंधक ने उत्कृष्ट अधिकारियों और कर्मचारियों को पुरस्कार वितरित किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण रेलवे के 69 वें रेलवे सप्ताह समारोह के हिस्से के रूप में, 'विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार 2024' का पुरस्कार वितरण समारोह 30 जनवरी को डॉ. बी.आर. अम्बेडकर अरंगम, आईसीएफ में आयोजित किया गया। दक्षिण रेलवे के महाप्रबंधक आर.एन. सिंह इस समारोह के मुख्य अतिथि थे और उन्होंने विभिन्न मंडलों/विभागों/कारखानों को शील्ड वितरित की तथा अधिकारियों और कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए व्यक्तिगत पुरस्कार प्रदान किए।

सभा को संबोधित करते हुए, दक्षिण रेलवे के महाप्रबंधक आर.एन. सिंह ने पुरस्कार विजेताओं को रेलवे के विकास और दक्षता में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए बधाई दी। उन्होंने डिवीजनों और कार्यशालाओं की उनके सराहनीय प्रदर्शन के लिए सराहना की। उन्होंने दक्षिण रेलवे की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह जोन परियोजनाओं को चालू करने, बुनियादी ढांचे को उन्नत करने, सेक्शनल स्पीड बढ़ाने, आधुनिक कोच शुरू करने, यात्री सुविधाओं और ऑन-बोर्ड सेवाओं में सुधार करने में अग्रणी है। समारोह के दौरान वर्ष 2024 के दौरान दक्षिण रेलवे की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने वाली एक लघु वीडियो फिल्म प्रसारित की गई। इस समारोह में दक्षिण रेलवे के अपर महाप्रबंधक कौशल किशोर, प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी हरिकृष्णन, अन्य प्रमुख विभागाध्यक्ष, मंडल रेल प्रबंधक, दक्षिण रेलवे के अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए। इस अवसर पर कर्मचारियों और उनके बच्चों द्वारा शास्त्रीय नृत्य और संगीत सहित एक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।

दक्षता शील्ड और व्यक्तिगत पुरस्कार

महाप्रबंधक अंतर-मंडल समग्र दक्षता शील्ड तिरुचिरापल्ली मंडल को मिली। पलक्कड़ और तिरुवनंतपुरम मंडलों ने संयुक्त रूप से अंतर-मंडल समग्र दक्षता रनर अप शील्ड जीती। रेलवे कार्य के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए विभिन्न मंडलों/कार्यशालाओं/इकाइयों को 38 दक्षता शील्ड प्रदान की गईं। दक्षिण रेलवे के कुल 97 कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 'व्यक्तिगत पुरस्कार' (विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार) से सम्मानित किया गया, जिनमें 26 अधिकारी और 71 कर्मचारी शामिल हैं। रेलवे स्कूलों के दो छात्रों को भी सम्मानित किया गया, जिन्होंने दसवीं और बारहवीं कक्षा की परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया था।

अर्थव्यवस्था सुस्ती में है, सरकार कुछ नहीं कर रही : चिदंबरम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि देश की अर्थव्यवस्था सुस्ती में है, लेकिन सरकार स्थिति को संभालने के लिए कुछ नहीं कर रही है। चिदंबरम ने नई दिल्ली संवाददाताओं से बातचीत में यह भी कहा कि वर्तमान समय में रोजगार सृजन नहीं हो रहा है, बेरोजारी उच्चतम स्तर पर है, मंहगाई बढ़ रही है तथा व्यापक स्तर पर आर्थिक असमानता है। पूर्व वित्त मंत्री ने कांग्रेस की ओर से तैयार अर्थव्यवस्था की वास्तविक स्थिति 2025' शीर्षक वाली रिपोर्ट जारी की। सरकार द्वारा आर्थिक समीक्षा पेश किए जाने से एक दिन पहले कांग्रेस ने यह रिपोर्ट जारी की है।

चिदंबरम ने कहा कि इस रिपोर्ट में कई ऐसे तथ्यों का उल्लेख है जिनको सरकार ने दबा दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार अर्थव्यवस्था की जो स्थिति बताती है वह वास्तविकता से दूर है। चिदंबरम ने दावा किया, ''अर्थव्यवस्था सुस्ती में है, इससे इनकार नहीं किया जा सकता। पिछले साल की आर्थिक वृद्धि की तुलना में इस साल दो प्रतिशत तक की गिरावट आ सकती है।'' उन्होंने कहा कि नए रोजगारों का सृजन नहीं हो रहा है तथा पिछले चार पांच साल से वेतन में बढ़ोतरी भी नहीं हो रही है। पूर्व वित्त मंत्री का कहना था कि खाद्य, शिक्षा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़ी मुद्रास्फीति दोहरे अंक में है। उन्होंने दावा किया, अर्थव्यवस्था वास्तव में चुनौतियों का सामना कर रही है। युवाओं और स्नातकों के बीच उच्च बेरोजगारी दर चिंताजनक है, जो क्रमशः लगभग 40 प्रतिशत और 30 प्रतिशत है। उनके मुताबिक, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि देश में व्यापक असमानता है तथा अमीर एवं गरीब के बीच खाई बढ़ती जा रही है।

चिदंबरम ने आरोप लगाया कि इस खाई को पाटने के लिए सरकार ने कुछ नहीं किया। यह पूछे जाने पर कि क्या अर्थव्यवस्था मंदी की तरफ जा रही है तो पूर्व वित्त मंत्री ने कहा, यदि भारत में कोई सरकार न हो तो भी अर्थव्यवस्था मंदी में नहीं जाएगी। हम 4-5 प्रतिशत की दर से विकास करना जारी रखेंगे क्योंकि यहां किसान, श्रमिक और छोटे उद्योग हैं जो खाद्यान्न और अन्य चीजें पैदा करते हैं, सेवाएं देते हैं। उनका कहना था कि असली सवाल यह है कि सरकार 4-5 प्रतिशत से अधिक कितनी वृद्धि कर सकती है।

चिदंबरम ने कहा, इस सरकार की नीतियों ने विकास दर में लगभग 1.5-2 प्रतिशत जोड़ा, लेकिन यह पर्याप्त नहीं है।'' पार्टी के वरिष्ठ नेता राजीव गौड़ा ने कटाक्ष करते हुए कहा कि देश में जॉब लॉस ग्रोथ हो रही है। उन्होंने कहा कि महंगाई बढ़ रही है और लोगों की थाली महंगी होती जा रही है, लेकिन आय नहीं बढ़ रही है।

स्टालिन ने संग्रहालय के 'एक कोने' में कार्यक्रम आयोजित कर राष्ट्रपिता का किया अपमान : राज्यपाल रवि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के राज्यपाल आर. एन. रवि ने महात्मा गांधी के सम्मान में शहर के एक संग्रहालय के 'कोने में' कार्यक्रम आयोजित करने के लिए मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन पर बृहस्पतिवार को निशाना साधा और आरोप लगाया कि द्रविड़ विचारधारा के लोगों ने राष्ट्रपिता का उनके जीवनकाल में अपमान किया और मजाक उड़ाया। राज्यपाल रवि और मुख्यमंत्री स्टालिन ने गांधी की 77वीं पुण्यतिथि पर यहां क्रमशः गांधी मंडपम और राजकीय संग्रहालय में पुष्पांजलि अर्पित की।

स्टालिन ने राज्य सचिवालय में शहीद दिवस के अवसर पर अस्पृश्यता के खिलाफ शपथ भी दिलाई और राज्य के मंत्रियों, शीर्ष अधिकारियों व निर्वाचित प्रतिनिधियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

रवि ने' एक्स' पर एक पोस्ट में कहा,गांधी मंडपम राष्ट्रपिता का एक भव्य स्मारक है, जो 1956 में के. कामराज ने चेन्नई के गिंडी राष्ट्रीय उद्यान के निकट विशाल भूमि पर बनवाया था। क्या गांधी स्मृति कार्यक्रमों - उनके जन्मदिन और शहादत दिवस को शहर के संग्रहालय के एक कोने में आयोजित करने का कोई मतलब है?

उन्होंने कहा, मैंने मुख्यमंत्री से बार-बार अनुरोध किया कि राष्ट्रपिता को उचित सम्मान दिया जाए और गांधी मंडपम में इस तरह के कार्यक्रम उचित तरीके से आयोजित किए जाएं, लेकिन उन्होंने इसे सिरे से नकार दिया। द्रविड़ विचारधारा के लोगों ने गांधी का उनके जीवनकाल में कड़ा विरोध किया और उनका मजाक उड़ाया। लेकिन क्या आज भी उनका मजाक उड़ाया जाना चाहिए?

गांधी मंडपम, राजभवन, गिंडी के पास सरदार पटेल रोड पर है। यह अन्ना विश्वविद्यालय और आईआईटी-मद्रास परिसरों के भी करीब है। राजकीय संग्रहालय शहर के दूसरी तरफ एग्मोर में है और यह फोर्ट सेंट जॉर्ज से लगभग पांच किलोमीटर दूर है, जहां सचिवालय स्थित है।

अपने जन्मदिन के जश्न के दौरान 'स्विमिंग पूल' में बच्ची डूबी, मौत

विल्लुपुरम। समीपवर्ती मरक्कनम के पास एक 'रिसॉर्ट' में अपने जन्मदिन का जश्न मनाते समय 'स्विमिंग पूल' में डूबने से छह साल की बच्ची की मौत हो गई। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि लड़की अपने माता-पिता और 10 वर्षीय भाई के साथ 'रिसॉर्ट' के 'स्विमिंग पूल' में खेल रही थी। बाद में लड़की की मां उसे कमरे में ले गई, लेकिन लड़की फिर से वापस आ गई और फिसलकर 'स्विमिंग पूल' में गिर गई। पुलिस ने बताया कि 'स्विमिंग पूल' के पास मौजूद सुरक्षा गार्ड ने बच्ची को बचाया और उसे पुडुचेरी सीमा के पास गणपति चेट्टीकुलम के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उस बच्ची को मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार, कोट्टाकुप्पम पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। लड़की के पिता सुशांत थौबल उत्तराखंड के रहने वाले हैं और बेंगलूरू में एक फर्म में काम करते हैं। वे 26 जनवरी को अपने परिवार के साथ छुट्टियों पर पुडुचेरी गए थे।

कोच्चि में अवैध रूप से रह रहीं बांग्लादेश की दो और महिलाएं गिरफ्तार

कोच्चि। भारत में अवैध तरीके से रह रहीं बांग्लादेश की दो और महिलाओं को केरल के एर्णाकुलम देताह पुलिस क्षेत्र से बृहस्पतिवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि एर्णाकुलम देहात पुलिस क्षेत्र के कोडानाडु से कोबितिबा (22) और रूबीना शेख (19) को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि दोनों कथित तौर पर पश्चिम बंगाल से सीमा पार कर बेंगलूरू पहुंचे थे, जहां उन्होंने एक एजेंट की मदद से आधार कार्ड हासिल किया।उन्होंने बताया कि दोनों को अदालत में पेश किए जाने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। एर्णाकुलम ग्रामीण जिला पुलिस प्रमुख वैभव सक्सेना द्वारा शुरू किए गए विशेष अभियान ऑपरेशन 'क्लीन' के तहत पुलिस ने ये गिरफ्तारी की है। यह अभियान दो सप्ताह पहले 28 वर्षीय तस्लीमा बेगम की गिरफ्तारी के बाद शुरू किया गया था। पुलिस ने बताया कि इन गिरफ्तारियों के साथ ही ग्रामीण जिला पुलिस सीमा में इस महीने हिरासत में लिए गए बांग्लादेशियों की संख्या बढ़कर सात हो गई है। उन्होंने बताया कि इन गिरफ्तारियों के बाद पुलिस ने अब अवैध रूप से सीमा पार करने, फर्जी पहचान पत्र और आधार कार्ड बनाने में मदद करने वाले एजेंट का पता लगाने के मकसद से पश्चिम बंगाल तक अपनी जांच का विस्तार करने का निर्णय किया है।

केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री ने एनएलसीआईएल परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने 30 जनवरी को चेन्नई में एनएलसीआईएल परियोजनाओं की समीक्षा बैठक की, जिसमें भारत सरकार, कोयला मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव विस्मिता तेज भी मौजूद थीं। समीक्षा बैठक में एनएलसीआईएल के सीएमडी श्री प्रसन्ना कुमार मोटुपल्ली, एनएलसी इंडिया लिमिटेड के कार्यात्मक निदेशक और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

मंत्री किशन रेड्डी ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री के 2047 तक विकसित भारत बनाने के व्यापक दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला, जिसके तहत खनन क्षेत्र में सुधार किए जा रहे हैं। उन्होंने एनएलसीआईएल की भारत में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाली सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों में से एक के रूप में सराहना की। उन्होंने बड़े पैमाने पर अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में कंपनी के विविधीकरण की सराहना करते हुए कहा कि यह देश का पहला सार्वजनिक उपक्रम है जिसने 1 गीगावाट अक्षय ऊर्जा को पार कर लिया है। मंत्री ने तालाबीरा, साउथ पचवारा, नॉर्थ धाडू, मच्छकटा और पतरापारा में कोयला खदानों के माध्यम से कोयला खनन में क्षमता वृद्धि में एनएलसीआईएल के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने तालाबीरा में 3 800 मेगावाट थर्मल पावर प्रोजेक्ट के निर्माण में एनएलसीआईएल के प्रयासों की भी सराहना की, जिसका उद्घाटन माननीय प्रधानमंत्री ने किया। माननीय कोयला मंत्री ने राजस्थान, असम और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में बड़े पैमाने पर अक्षय ऊर्जा क्षमता वृद्धि और अन्य हरित पहलों में एनएलसीआईएल के ईमानदार प्रयासों की भी सराहना की है। मंत्री ने बताया कि एनएलसीआईएल देश के सबसे पुराने सार्वजनिक उपक्रमों में से एक है, जिसे राष्ट्रपति, प्रधानमंत्रियों, वीआईपी समेत कई पूर्व राष्ट्रीय नेताओं ने संरक्षण दिया और उसका दौरा किया, जो आज भी जारी है। उन्होंने एनएलसीआईएल से पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए रास्ते तलाशने का आह्वान किया, जिसमें बच्चों और छात्रों के बीच जागरूकता पैदा करने की बहुत संभावना और गुंजाइश है। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री ने आगे बताया कि एनएलसीआईएल प्रबंधन को दो महीने की अवधि में एनएलसी इंडिया लिमिटेड के श्रमिकों और कर्मचारियों के लिए उन्नत दुर्घटना बीमा कवर योजना के कार्यान्वयन की संभावनाओं का पता लगाने के लिए कहा गया है।

मंत्री ने एनएलसीआईएल को कोयला मंत्रालय की ओर से पूर्ण समर्थन और सहयोग का आश्वासन दिया और एनएलसीआईएल परिवार से माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी के विजन के अनुरूप ऊर्जा उत्पादन में अपनी उल्लेखनीय यात्रा जारी रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि एनएलसीआईएल अनेक सीएसआर गतिविधियों में अग्रणी रही है। उन्होंने कहा कि एनएलसीआईएल के पास नेयवेली में एक बड़ी टाउनशिप है, जिसमें 1 लाख से अधिक की आबादी और 3 करोड़ पेड़ हैं।

इस अवसर पर कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने एनएलसी इंडिया लिमिटेड द्वारा नेवेली में बनाए गए संग्रहालय, जिसका नाम परंपरायम रखा गया है, का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया। उन्होंने एक नए मोबाइल ऐप एनएलसीआईएल विंग्स और एनएलसीआईएल इंटरनेट वेबसाइट के नए संस्करण का भी वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया। भारत सरकार के विशेष अभियान 4.0 के वेस्ट टू वेल्थ पहल के अनुरूप, एनएलसीआईएल ने 1956 में अपनी स्थापना के बाद से एनएलसीआईएल की यात्रा को दर्शाने वाले एक संग्रहालय की अवधारणा, योजना और निर्माण किया था। नेवेली टाउनशिप के केंद्र में स्थित यह संग्रहालय 1980 के दशक में निर्मित पूर्ववर्ती दूरदर्शन केंद्र टीवी रिले स्टेशन की इमारत को परिवर्तित करके बनाया गया था।

दक्षिण रेलवे के चेन्नई डिवीजन ने मनाया रेलवे सप्ताह समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई मंडल का 69वां रेलवे सप्ताह समारोह - रेल सेवा पुरस्कार 2024 30 जनवरी को चेन्नई रेल ऑडिटोरियम, एनजीओ एनेक्सी, पार्क टाउन चेन्नई में आयोजित किया गया। चेन्नई मंडल रेलप्रबंधक बी.विश्वनाथ आर्य मुख्य अतिथि थे। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी डॉ. एम. सेंथिल कुमार ने उपस्थित लोगों का स्वागत किया। समारोह की शुरुआत सरकार के 100 दिवसीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम - मुक्त भारत अभियान के तहत टीबी उन्मूलन की शपथ दिलाने के साथ हुई। दो मिनट का मौन भी रखा गया। शहीद दिवस पर स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को सम्मान देते हुए मनाया गया। इसके बाद एक जीवंत सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ, जिसमें मंत्रमुग्ध कर देने वाले शास्त्रीय नृत्य और संगीत का प्रदर्शन किया गया। कर्मचारियों और उनके वार्डों द्वारा देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत प्रदर्शन किया गया और स्वस्थ जीवनशैली के लिए पौष्टिक भोजन के महत्व पर जोर दिया गया, जो 'उनावे मरुंथु, मरुंथे उनावु' के सार को सटीक रूप से दर्शाता है।

मुख्य भाषण में मंडल रेल प्रबंधक ने अधिकारियों और कर्मचारियों की कड़ी मेहनत और समर्पित कार्य के लिए सराहना की। उन्होंने सभी अधिकारियों को हार्दिक बधाई दी और उनके अथक समर्पण की सराहना की। उन्होंने गुमनाम नायकों और नामांकित व्यक्तियों को भी धन्यवाद दिया, जिन्होंने, यद्यपि उन्हें किसी पुरस्कार से सम्मानित नहीं किया गया है, फिर भी उन्होंने महत्वपूर्ण योगदान दिया है और उल्लेखनीय समर्पण का परिचय दिया है तथा अपने निस्वार्थ कार्य से दूसरों को प्रेरित किया है। मंडल रेल प्रबंधक ने सभी रेल कर्मचारियों और उनके परिवारों को निरंतर प्रगति और सफलता के लिए उनके अटूट समर्पण और बहुमूल्य योगदान के लिए हार्दिक धन्यवाद दिया। उन्होंने ट्रेड यूनियनों और एसोसिएशनों को उनके बहुमूल्य समर्थन और सहयोग के लिए भी हार्दिक धन्यवाद दिया। मंडल रेल प्रबंधक ने 71 कर्मचारियों (राजपत्रित और अराजपत्रित दोनों) को 2023-24 के दौरान उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों और उत्कृष्ट सेवा को मान्यता देते हुए पुरस्कार प्रदान किए। उन्होंने पुरस्कार विजेताओं को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए बधाई दी।

इस अवसर पर तेज प्रताप सिंह, अंकुर चौहान, अपर मंडल रेल प्रबंधक, ए. इलमपूरणन, मुख्य परियोजना प्रबंधक, गति शक्ति, वरिष्ठ शाखा अधिकारी, चेन्नई मंडल के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा उनके परिवार उपस्थित थे। सहायक कार्मिक अधिकारी वी.के. शिव कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

रेला अस्पताल के डॉक्टरों को कंधे की गतिशीलता के लिए ऑर्थोपेडिक बैलून प्रत्यारोपण में मिली सफलता

चेन्नई/दक्षिण भारत राष्ट्रमत। रेला अस्पताल के डॉक्टरों ने तमिलनाडु के पहले ऑर्थोपेडिक्स बैलून प्रत्यारोपण करने में सफलता प्राप्त की है। पैसठ वर्षीय बुजुर्ग श्रीराजप्रकाशम को बिजली के झटके लगने के कारण दाहिने कंधे में गंभीर चोट लगी थी जिससे उनका रोटेटर कप फट गया था। कंधे व बाह की हड्डी के बीच स्थित इन स्पेस बैलून को दर्द कम करने बायोमैकेनिक्स में सुधार करने तथा प्रभावित क्षेत्र की मांसपेशियों को मजबूत करने के लिए डिजाइन किया गया है । मरीज रोटेटर कप फटने के कारण कंधे को 70 डिग्री से ज्यादा ऊपर नहीं उठा पा रहे थे जबकि सामान्य तौर पर कंधे को 150 से 170 डिग्री तक उठाया जा सकता है। मरीज ने इसे फिजियोथेरेपी के माध्यम से उपचार करने की कोशिश की थी परंतु उन्हें लाभ नहीं मिला तब उन्होंने प्रत्यारोपण का विकल्प चुना। रेला अस्पताल के सीईओ डॉ इलानकुमारन कालियामूर्ति ने इस अवसर पर कहां कि तमिलनाडु में कंधे की गतिशीलता को बरकरार रखने के लिए पहला बैलून इंप्लांटेशन करना उन्नत, न्यूनतम इनवेसिव सर्जिकल समाधानों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह सफल प्रक्रिया दर्द को कम करती है बायोमैकेनिक्स को बढ़ाती है और मांसपेशियों को मजबूत करती है जिससे कंधे की चोटों वाले रोगियों को नई उम्मीद मिलती है। उन्होंने कहा कि रेला अस्पताल में हम रोगियों के परिणामों को बेहतर बनाने के लिए अत्याधुनिक चिकित्सा नवाचार लाने के लिए प्रतिबद्ध है।

रेला अस्पताल के ऑर्थोपेडिक सर्जन और कंसलटेंट डॉ प्रकाश अय्यादुरई ने कहा कि रोटेटर कप में चार मांसपेशियां और उनके टेंडन होते हैं जो कंधे के जोड़ को स्थिर रखते हैं यह हाथ को उठाने और घूमने सहित हाथ की कई तरह की हरकतों को करने में सक्षम बनाता है उन्होंने कहा कि रोटेटर कप टियर तब होता है जब एक या एक से अधिक टेंडन क्षतिग्रस्त या फट जाते हैं । यह अचानक आघात या बार-बार ओवरहेड हरकतों के कारण हो सकती है ऐसी चोटें आमतौर पर एथलीट और वरिष्ठ नागरिकों के आम होती है उन्होंने कहा कि ऐसे मरीजों के लिए हमने क्षतिग्रस्त मांसपेशियों की मरम्मत के लिए एक न्यूनतम इनवेसिव आर्थ्रोस्कॉपी की है उन्होंने कहा कि आर्थ्रोस्कोपी सर्जरी के सफल समापन के बाद बैलून इंप्लांटेशन के साथ आगे बढ़ना शुरू किया है उन्होंने बताया कि यह पहली बार है जब राज्य में इस तरह का इंप्लांटेशन किया गया है उन्होंने कहा कि इन कार्यों की बदौलत ही हम कंधे की कार्यक्षमता में बढोतरी जोड़ों के क्षय और अस्थाई विकलांगता को रोकने में सक्षम हुए हैं । बैलून प्रत्यारोपण के बारे में बताते हुए डॉक्टर अय्यादुरई ने कहा कि यह तकनीक इन स्पेस बैलून उन वरिष्ठ नागरिकों के लिए वरदान है जो सामान्य एनस्थीसिया के तहत सर्जरी करवाने के लिए चिकित्सकीय रूप से फिट नहीं होते हैं। बैलून बायोडिग्रेबल सामग्री से बना होता है इसे एक छोटे से चीरे के माध्यम से डाला जाता है और ह्यूमरल हेड और एक्रोमियम के बीच रखा जाता है।

राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने बापू को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सहित अनेक नेताओं ने बृहस्पतिवार को महात्मा गांधी की 77वीं पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। राज्यपाल बागड़े ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। बागड़े ने कहा कि विश्व भर में शांति, अहिंसा और समानता का संदेश देने वाले राष्ट्रपिता महात्मा गांधी युगपुरुष थे।

उन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के आदर्शों से प्रेरणा लेकर सत्य, न्याय और श्रम के उनके आदर्शों के मार्ग पर चलते हुए विकसित भारत के लिए कार्य करने का आह्वान किया है। राज्यपाल ने राजभवन में महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मुख्यमंत्री शर्मा ने सचिवालय स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। शर्मा ने दो मिनट का मौन रखकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

उन्होंने प्रतिमा के समक्ष बैठकर गांधी जी के प्रिय भजन 'वैष्णव जन तो तेने कहिये, रघुपति राघव राजा राम, राम रतन धन पायो, राम जय राम, तू ही है तो सहारा' सुने। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेम चन्द बैरवा, शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल भी मौजूद थे। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा प्रदेश मुख्यालय में सर्वधर्म प्रार्थना सभा एवं पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सहित पार्टी के तमाम नेताओं व कार्यकर्ताओं ने बापू को श्रद्धांजलि अर्पित की।

कम दाम पर प्याज बेचने को मजबूर हैं किसान : गहलोत

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने किसानों को प्याज सहित विभिन्न फसलों के उचित दाम नहीं मिलने का मुद्दा उठाते हुए कहा है कि राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार को कृषि को प्राथमिकता देते हुए किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) सुनिश्चित करना चाहिए। गहलोत ने 'एक्स' पर लिखा,राजस्थान बाजरे की फसल का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) न मिलने के बाद अब

मूंगफली, मूंग व सोयाबीन की फसल को भी किसान बाजार में एमएसपी से कम दाम पर बेचने के लिए मजबूर हो रहे हैं। उन्होंने लिखा कि प्रदेश के अधिकांश केन्द्रों पर एमएसपी पर खरीद ही शुरू नहीं हुई है और जहां खरीद शुरू हुई है वहां लक्ष्य कम दिए हैं जिससे किसानों को उपज का दाम नहीं मिल रहा है।

उनके अनुसार, अब प्याज की बंपर पैदावार के कारण इसके भी उचित दाम किसान को नहीं मिल रहे हैं तथा किसान बेहद कम दाम पर प्याज बेचने को मजबूर हो रहे हैं जिससे उनकी लागत भी नहीं निकल पा रही है। उन्होंने कहा, राज्य सरकार को कृषि को प्राथमिकता देकर किसानों को एमएसपी देना सुनिश्चित करना चाहिए जिससे किसानों को कम से कम घाटा तो न हो।

पीड़ित मानवता की सेवा सबसे बड़ा धर्म

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े गुरुवार को जयपुर स्थित सार्थक मानव कुष्ठाश्रम पहुंचे। उन्होंने वहां पर कुष्ठ रोगियों से संवाद किया और उनके द्वारा आश्रम में निर्मित वस्तुओं का अवलोकन किया। राज्यपाल बागड़े ने कहा कि पीड़ित मानवता की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है।

उन्होंने कुष्ठ रोग निवारण के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि कुष्ठ असाध्य रोग नहीं है। सेवा और उचित चिकित्सा के जरिए इस रोग का निवारण किया जा सकता है। उन्होंने कुष्ठ आश्रम के अंतर्गत विभिन्न सेवा कार्यों, वस्तुओं के उत्पादन और पीड़ित जनों की सहायता के लिए हो रहे कार्यों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया।

बाल अपचारियों को दो साल तक सरकारी अस्पताल में झाड़ू पोंछा लगाने की सजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के झुंझुनू के एक बाल न्यायालय ने दो बाल अपचारियों को दोषी मानते हुए दो साल तक सरकारी अस्पताल में साफ सफाई करने की सजा सुनाई है। अदालत ने दोनों आरोपियों पर 10-10 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। इन नाबालिग पर शराब की एक दुकान में तोड़फोड़ करने और गोलीबारी कर 1.5 लाख रुपये लूटने का आरोप है। लोक अभियोजक भारत भूषण शर्मा ने बताया कि बाल न्यायालय (सत्र न्यायाधीश) की न्यायाधीश दीपा गुर्जर ने फैसला सुनाते हुए कहा कि दोनों नाबालिगों को बिना वेतन के सरकारी अस्पताल के वार्ड और रसोई की सफाई करनी होगी।

उन्होंने बताया कि उन्हें हर सप्ताह कम से कम 30 घंटे काम करना होगा, जिसकी निगरानी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सीएमएचओ करेंगे और हर तीन महीने में अदालत को रिपोर्ट सौंपेंगे। उन्होंने बताया कि दोनों मुजरिमों को 10 फरवरी को अदालत में पेश होना होगा। यह मामला पांच साल पुराना है। इससे पहले सात मई 2020 को संदीप कुमार ने बगड़ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी शराब की दुकान पर बिना रजिस्ट्रेशन प्लेट वाली तीन गाड़ियों में आए बदमाशों ने गोलीबारी की, दुकान में तोड़फोड़ की और कैश बॉक्स से डेढ़ लाख रुपए लूट लिए। इस दौरान एक वैन को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया।

पुलिस ने मामले में दो नाबालिगों को निरुद्ध कर किशोर न्याय बोर्ड झुंझुनू में चार्जशीट पेश की थी। वहां से मामला किशोर न्यायालय में भेज दिया गया। अदालत ने दोनों आरोपियों को लूट की धाराओं में बरी कर दिया, लेकिन हमला और तोड़फोड़ में दोषी करार देते हुए सजा सुनाई।

यातायात नियमों के पालन से ही सड़क दुर्घटनाओं पर लगेगा अंकुश : बैरवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचन्द बैरवा ने कहा कि यातायात नियमों के पालन से ही सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सकता है। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के माध्यम से प्रदेश में व्यापक स्तर पर आमजन को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया है। राज्य सरकार सड़क सुरक्षा के व्यापक उपाय, नवाचारों एवं परिवहन क्षेत्र में डिजिटल समाधानों पर संकल्पित होकर कार्य कर रही है, जिसके भविष्य में सुखद परिणाम नज़र आएंगे। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत स्तर पर व्यक्तियों को सड़क सुरक्षा प्रहरी के रूप में प्रशिक्षित किया गया है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में भी सुरक्षित एवं सुगम यातायात सुनिश्चित हो सकेगा। उपमुख्यमंत्री व परिवहन एवं सड़क सुरक्षा मंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा गुरुवार को राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान, दुर्गापुरा में 'परवाह' (केयर) की थीम पर आयोजित राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजमार्गों पर ब्लैक स्पॉट्स के सुधार और रेस्ट एरिया के निर्माण से सड़क दुर्घटनाओं को कम किया जा सकेगा, जिससे यात्रा और भी सुरक्षित और सुविधाजनक होगी। उन्होंने आह्वान किया कि आवागमन के दौरान अन्य चालकों और राहगीरों की सुरक्षा का भी ध्यान रखें, ताकि किसी को भी असुविधा न हो और दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

उपमुख्यमंत्री डॉ. बैरवा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में यह सड़क सुरक्षा माह यातायात नियमों की पालना सुनिश्चित करने, सड़क हादसों में कमी लाने एवं जन-जन को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक करने में मील का पत्थर साबित होगा। इससे पहले उन्होंने सभी को सड़क सुरक्षा हेतु शपथ दिलाई।

शासन सचिव एवं आयुक्त परिवहन एवं सड़क सुरक्षा श्रीमती शुचि त्यागी ने कहा कि सड़क सुरक्षा एक सतत प्रक्रिया है, विभाग यातायात नियमों की पालना सुनिश्चित करवाने हेतु प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि परिवहन विभाग द्वारा सड़क सुरक्षा माह के दौरान जयपुर शहर के विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में विद्यार्थियों को यातायात नियमों की जानकारी देकर ट्रैफिक नियमों की पालना के लिए प्रोत्साहित किया गया। साथ ही, सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत अनेक जन जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए गए हैं। प्रादेशिक परिवहन अधिकारी जयपुर (प्रथम) राजेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत 20 हजार से अधिक बच्चों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया है।

साथ ही, सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए विशेष अभियानों के माध्यम से स्कूलों, कॉलेजों और कार्यस्थलों पर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया। उन्होंने बताया कि इस माह के दौरान वाहनों का सघन निरीक्षण किया गया और मोटर व्हीकल एक्ट के तहत नियमों की पालना नहीं करने वाले वाहनों पर कठोर कार्रवाई की गई।

समारोह में सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में श्रेष्ठ कार्य करने वाले सड़क सुरक्षा प्रहरियों, स्वयंसेवी संस्थाओं, मीडिया कर्मियों, कार्मिकों तथा भांकरोटा सड़क हादसे में बचाव कार्य कर अदम्य साहस का परिचय देकर मिसाल कायम करने वाले आमजन को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

बांसवाड़ा में ग्राम विकास अधिकारी रिश्वत लेते गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने बांसवाड़ा में ग्राम पंचायत के एक विकास अधिकारी को 16,000 रुपये की कथित रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। ब्यूरो ने बृहस्पतिवार को एक बयान में यह जानकारी दी। इस बयान के अनुसार, टीम ने ग्राम पंचायत भापोर के ग्राम विकास अधिकारी प्रभुलाल पारगी को रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है।

परिवादी ने शिकायत थी थी उसके पिता अटल सेवा केन्द्र भापोर में ठेके के माध्यम से सुरक्षा गार्ड की नौकरी करते हैं और उन्हें पिछले पांच माह का वेतन भुगतान नहीं हुआ है। वेतन बिल बनाने के एवज में आरोपी प्रभुलाल पारगी 25,000 की मांग कर रहा है।

शिकायत के सत्यापन के दौरान आरोपी अधिकारी, परिवादी से 20,000 रुपये रिश्वत राशि लेने को सहमत हुआ तथा चार हजार रुपए ले लिए। अब टीम ने जाल बिछाकर आरोपी पारगी को परिवादी से बकाया 16,000 रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार कर लिया।

साथ-साथ

जयपुर में कवि और लेखक जावेद अख्तर गुरुवार को जयपुर साहित्य महोत्सव के दौरान भारतीय शिक्षाविद और लेखिका सुधा मूर्ति के साथ।

संस्कृति की सम्पन्नता से जुड़ा राष्ट्र है भारत : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि वर्तमान नई पीढ़ी को देश की मूल संस्कृति व गौरवमयी इतिहास को समझना जरूरी है। प्राचीन समय से ही भारत संपन्न संस्कृति का राष्ट्र है। भारतीय ज्ञान परंपरा की समझ का प्रसार युवा पीढ़ी में जरूरी है। राज्यपाल बागड़े गुरुवार को भीलवाड़ा जिले के शाहपुरा में 'वैश्विक संदर्भ में भारतीय ज्ञान परंपरा, अंतर्दृष्टि और नवाचार' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

राज्यपाल ने अपने संबोधन में कहा कि राजस्थान प्रदेश वीरों व शौर्य की भूमि है। यहां पृथ्वीराज चौहान,महाराणा प्रताप जैसे शासक हुए जिनकी वीर गाथाओं का भारतीय इतिहास में वर्णन है। राज्यपाल बागड़े ने कहा कि प्राचीन समय में नालंदा विश्वविद्यालय जिसमें विश्वभर से विद्यार्थी अध्ययन करने के लिए आते थे। केंद्र सरकार फिर से नालंदा विश्वविद्यालय को उसी रूप में पुनः खड़ा करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि इतिहास बनाना पड़ता है। देश के इतिहास व संस्कृति को बचाने में कई बुद्धिजीवी व महान लोगों ने योगदान दिया व ज्ञान, परंपरा का प्रचार प्रसार भी किया। राज्यपाल ने कहा कि देश के पास प्राचीन समय में ही अद्भुत कला व शक्तियां रही है यही देश की ज्ञान व परंपरा का उदाहरण है।

राज्यपाल ने नई शिक्षा नीति के प्रति शिक्षकों व विद्यार्थियों को रुचि लेने को प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि भारत देश को पुनः विकसित राष्ट्र बनाने की संकल्पना के लिए केंद्र सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में दृढ़ संकल्पित है। इस अवसर पर राज्यपाल बागड़े ने राष्ट्रीय संगठन की स्मारिका का विमोचन किया।

लिव-इन रिश्ते के पंजीकरण के लिए वेबसाइट शुरू करने के निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय की एक एकल पीठ ने प्रदेश में 'लिव-इन-रिलेशनशिप' के पंजीकरण के लिए राज्य को एक वेबसाइट शुरू करने का निर्देश दिया है। उत्तराखंड राज्य में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू किए जाने का संदर्भ देते हुए पीठ ने कहा कि केंद्र और राजस्थान राज्य को लिव-इन रिलेशनशिप के 'संकट' के समाधान की दिशा में सकारात्मक रूप से सोचना चाहिए।

न्यायमूर्ति अनूप ढंड की अदालत की यह व्यवस्था, घर से भागे उन जोड़ों को सुरक्षा देने की मांग करने वाली याचिकाओं पर आई है जो 'लिव-इन रिलेशनशिप' के लिए अपने परिवार और समाज से सुरक्षा चाहते हैं। पीठ ने कहा, कई जोड़े 'लिव-इन-रिलेशनशिप' में रह रहे हैं। अपने इस रिश्ते को स्वीकार नहीं किए जाने के कारण उन्हें अपने परिवारों तथा समाज के अन्य लोगों से खतरा है। इसलिए वह लोग रिट याचिका दायर कर अदालतों से अपने जीवन और स्वतंत्रता की सुरक्षा की मांग कर रहे हैं। अदालतों में ऐसी याचिकाओं की बहुतायत है। ऐसे जोड़ों के समक्ष आने वाले खतरों से उनके जीवन और स्वतंत्रता की सुरक्षा की इसी तरह की प्रार्थना वाली दर्जनों याचिकाएं प्रतिदिन प्रस्तुत की जा रही हैं।

अदालत ने कहा, रिश्ते में रहने का विचार अनोखा और आकर्षक लग सकता है, लेकिन इससे उत्पन्न होने वाली समस्याएं कई हैं और चुनौतीपूर्ण हैं। ऐसे रिश्ते में महिला की स्थिति पत्नी जैसी नहीं होती तथा उसके लिए सामाजिक स्वीकृति या पवित्रता का अभाव होता है। पीठ ने निर्देश दिया लिव-इन-रिलेशनशिप समझौते को सरकार द्वारा स्थापित सक्षम प्राधिकारी/ट्रिब्यूनल द्वारा पंजीकृत किया जाना चाहिए। सरकार द्वारा उपयुक्त कानून बनाए जाने तक, सक्षम प्राधिकारी को इसे पंजीकृत करना चाहिए। राज्य के प्रत्येक जिले में ऐसे लिव-इन-रिलेशनशिप के पंजीकरण के मामले को देखने के लिए एक समिति गठित की जाए जो ऐसे जोड़ों/दंपत्तियों की शिकायतों पर ध्यान देगी और उनका निवारण करेगी।

विभिन्न हादसों में चार लोगों की मौत

अलवर। राजस्थान में अलवर जिले में पिछले 24 घंटों में विभिन्न हादसों में चार व्यक्तियों की मौत हो गयी एवं दो घायल हो गये। पुलिस के अनुसार वैशाली नगर थाना अंतर्गत सूर्य नगर मोड़ पर आज रोडवेज बस की चपेट में आने से तमिलनाडु निवासी 60 वर्षीय डेनियल की मौत हो गयी। मृतक डेनियल सुबह प्रातः कालीन भ्रमण के लिये घर से निकले, लेकिन वापस नहीं लौटे, जिस पर तलाश की गयी तो सूर्य नगर मोड़ पर दुर्घटना होने की सूचना मिली। इसके बाद सामान्य चिकित्सालय पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने डेनियल को मृत घोषित कर दिया।

अलवर शहर उद्योग नगर थाना अंतर्गत औद्योगिक इकाई में एक फैब्रिकेशन करने वाले 39 वर्षीय मिठन लाल बुधवार शाम को फैक्ट्री में काम करते समय दो मंजिल छत से गिर जाने से मौत हो गयी। पुलिस ने पोस्टमार्टम करा कर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। जिले के राजगढ़-बांदीकुई मेगा हाईवे सड़क मार्ग के मध्य स्थित गोठ की चौकी के समीप कार एवं दो मोटरसाइकिलों में टक्कर में एक युवक की मौत हो गयी एवं दूसरी बाइक पर सवार दो व्यक्ति घायल हो गये। पुलिस ने घायलों को एम्बुलेंस की सहायता से राजगढ़ सीएचसी पहुंचाया।

अखिल भारतीय किन्नर महासम्मेलन 16 फरवरी से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। अजमेर में 16 से 26 फरवरी तक अखिल भारतीय किन्नर महासम्मेलन का आयोजन किया जाने वाला है, जो किन्नर समाज के लिए ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व का अवसर होगा। इस महासम्मेलन में देशभर से किन्नर समाज के सदस्य भाग लेंगे और इसे बड़े धूमधाम से आयोजित किया जाएगा। किन्नर समाज की गद्दीपति सलोनी बाई ने बताया कि 10 दिन तक चलने वाले इस कार्यक्रम में कई धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी, जिनमें हवन, पूजा, कलश यात्रा और चाक पूजा प्रमुख हैं। विशेष रूप से खिचड़ी तुलाई की रस्म भी बड़े धूमधाम से की जाएगी, जिसमें पहले भोजन के रूप में खिचड़ी का आयोजन होगा। इसके अलावा अंबे माता मंदिर में छत्र चढ़ाने की परंपरा निभाई जाएगी और सम्मेलन के समापन पर शहर में एक भव्य जुलूस निकाला जाएगा।

सलोनी बाई ने कहा कि इस महासम्मेलन में देशभर से लगभग 4 से साढ़े 4 हजार किन्नर शामिल होंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में किन्नर समाज को सुरक्षा, इज्जत और पहचान मिली है। वे हमेशा प्रधानमंत्री के स्वास्थ्य और देश की तरक्की के लिए दुआ करेंगी। महासम्मेलन के आयोजन से किन्नर समाज की संस्कृति और धार्मिक परंपराओं को बढ़ावा मिलेगा, साथ ही यह समाज के बीच एकता और समानता का संदेश भी देगा। किन्नर समाज की महामंडलेश्वर लक्ष्मी त्रिपाठी जी के सम्मेलन में शामिल होने की संभावना भी है, जिससे यह कार्यक्रम और भी महत्वपूर्ण बन जाएगा।

केजरीवाल ने यमुना को प्रदूषित होने दिया : शाह

दिल्लीवासियों को इसका पानी पीने के लिए मजबूर किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने भाजपा पर यमुना को जहरीला करने का आरोप लगाया है, क्योंकि उन्हें विधानसभा चुनाव में अपनी पार्टी की आसन्न पराजय का आभास हो गया है।

शाह ने आरोप लगाया कि केजरीवाल ने नदी को प्रदूषित होने दिया और दिल्ली के लोगों को इसका पानी पीने के लिए मजबूर किया।

रोहिणी विधानसभा क्षेत्र में एक जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने 'आप' के शासन के दौरान यमुना नदी की सफाई के लिए दी गई धनराशि के इस्तेमाल में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया और लोगों से दिल्ली में केजरीवाल के नेतृत्व वाली पार्टी को सत्ता से हटाने का आह्वान किया।

शाह ने आरोप लगाया, केजरीवाल ऐसे बहाने इसलिए बना रहे हैं क्योंकि उन्होंने यमुना की सफाई के लिए आया पैसा 'आप' के भ्रष्टाचार में लगा दिया। उन्होंने कहा, केजरीवाल चुनाव में अपनी (पार्टी की) हार को भांपकर ऐसी ओछी राजनीति कर रहे हैं।

शाह ने आरोप लगाया कि यह केजरीवाल के नेतृत्व वाली 'आप' सरकार है जिसने यमुना को प्रदूषित होने दिया और दिल्ली के लोगों को इसका पानी पीने के लिए मजबूर किया।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, पांच फरवरी दिल्ली की जनता के लिए 'आप-दा' को सत्ता से बाहर करने और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को जनादेश देने का मौका है... भारतीय जनता पार्टी दिल्ली को नंबर एक राजधानी बनाएगी।

मेला प्रशासन बेपरवाह व किसी से सलाह नहीं लेना चाहता: सांसद उज्ज्वल रमण सिंह

प्रयागराज/भाषा। इलाहाबाद लोकसभा सीट से सांसद उज्ज्वल रमण सिंह बृहस्पतिवार को स्वरूपरानी नेहरू (एसआरएन) अस्पताल पहुंचे जहां उन्होंने महाकुंभ में हुई भगदड़ के पीड़ितों और उनके तामीरदारों से मुलाकात की और स्थिति का मुआयना किया।

मृतकों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हुए सिंह ने मेला प्रशासन और पुलिस की आलोचना की और इस घटना को बड़ी चूक और लापरवाही बताया। उन्होंने कहा, मेला प्रशासन और पुलिस द्वारा जिस तरीके से दुर्व्यवस्था की गई थी, इसका हम लोगों को पहले से अंदाजा था और इसके लिए हम ने लखनऊ में पहले प्रेस वार्ता भी की थी जिसमें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय भी शामिल थे। कांग्रेस सांसद ने दावा किया, हमने तभी कहा था कि मेला प्रशासन बेपरवाह है और वह किसी की सलाह नहीं लेना चाहते हैं। किसी से परामर्श नहीं लेना चाहते।

सिंह ने दावा किया कि मेला समिति की आज तक एक भी बैठक नहीं हुई और अगर उन लोगों से राय ली गई होती जिनको कुंभ और अर्ध कुंभ मेले का अनुभव था, तो बेहतर व्यवस्था होती। उन्होंने आरोप लगाया कि जितनी संख्या में श्रद्धालु आए, उसके लिए मेला प्रशासन की ओर से व्यवस्था नहीं की गई थी।

महाकुंभ भगदड़ : आज घटनास्थल का दौरा करेंगे न्यायिक जांच आयोग के सदस्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। प्रयागराज महाकुंभ में मौनी अमावस्या के स्नान के लिए उमड़ी भीड़ में मंगलवार देर रात मची भगदड़ में 30 लोगों की मौत की घटना की जांच के लिए राज्य सरकार द्वारा गठित न्यायिक जांच आयोग ने बृहस्पतिवार को अपना काम शुरू कर दिया। आयोग के सदस्य शुक्रवार को घटनास्थल का दौरा करेंगे।

आधिकारिक सूत्रों ने यहां बताया कि महाकुंभ हादसे की जांच के लिए गठित तीन सदस्य न्यायिक आयोग ने अपने गठन के अगले ही दिन काम शुरू कर दिया है। आयोग के तीनों सदस्य आज लखनऊ के जनपथ स्थित अपने कार्यालय पहुंचे। आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) हर्ष कुमार ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, जांच को प्राथमिकता के आधार पर लिया जाना है इसलिए हमने घोषणा के कुछ ही घंटों के भीतर कार्यभार संभाल लिया है। उन्होंने कहा, हमारे पास एक महीने का समय है, लेकिन फिर भी हम जांच को तेजी से पूरा करने की कोशिश करेंगे।

यह पूछे जाने पर कि क्या आयोग के सभी तीन सदस्य घटना के अलग-अलग पहलुओं की जांच करेंगे या उनमें कैसा समन्वय होगा, न्यायमूर्ति कुमार ने कहा, हम इन पर आपस में चर्चा करेंगे। अभी विस्तार से नहीं बता सकते। आयोग के अध्यक्ष ने बाद में संवाददाताओं से बातचीत भी की। उन्होंने कहा, कल (शुक्रवार) हम निरीक्षण करने और घटना के संभावित कारणों और परिस्थितियों का विश्लेषण करने के लिए घटनास्थल पर जाएंगे। हम सभी पहलुओं पर सावधानीपूर्वक विचार करेंगे।

भारत में चिकित्सा प्रौद्योगिकी क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा : अनुप्रिया पटेल

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा है कि भारत चिकित्सा प्रौद्योगिकी क्षेत्र की चुनौतियों का समाधान करके और वैश्विक मानकों के साथ तालमेल बैठाकर वैश्विक चिकित्सा प्रौद्योगिकी परिदृश्य में खुद को एक अग्रणी प्रतिस्पर्धी के रूप में स्थापित करने में सफल रहा है। मेडिकल टेक्निकल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एमताई) की ओर से आयोजित 'मेडटेकॉन 2025' को संबोधित करते हुए अनुप्रिया ने कहा कि भारत में चिकित्सा प्रौद्योगिकी तेजी से बढ़ने वाला और बहुत गतिशील क्षेत्र है। उन्होंने कहा कि देश में स्वास्थ्य देखभाल की मांग बढ़ रही है, हर कोई बेहतर सेवा एवं परिणाम चाहता है और चिकित्सा प्रौद्योगिकी क्षेत्र में लगातार प्रगति एवं नवाचार दर्ज किया जा रहा है।

अनुप्रिया ने कहा, सरकार भी चिकित्सा प्रौद्योगिकी क्षेत्र की नीतियों को भरपूर समर्थन दे रही है, क्योंकि हमारा ध्यान इस दिशा में भारत को अधिक आत्मनिर्भर बनाने पर है। इससे क्षेत्र के विकास को गति मिली है और यह अधिक जीवंत बना है। एशिया में चीन, जापान और दक्षिण कोरिया के बाद चौथा सबसे बड़ा चिकित्सा क्षेत्र भारत का है। हम वैश्विक स्तर पर भी शीर्ष 20 देशों में शामिल हैं।

बीपीएससी परीक्षा विवाद: पटना में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को खदेड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की एकीकृत 70वीं संयुक्त (प्रा.) परीक्षा 2024 में कथित तौर पर अनियमितताओं को लेकर इस इम्तिहान को रद्द किए जाने की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों ने बृहस्पतिवार को आयोग के कार्यालय के सामने प्रदर्शन करने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उन्हें खदेड़ दिया। पुलिस ने कहा कि जहां आयोग का कार्यालय स्थित है वह प्रतिबंधित क्षेत्र है और वहां किसी भी तरह के प्रदर्शन की अनुमति नहीं है।

पटना के जिलाधिकारी चंद्रशेखर सिंह ने स्पष्ट किया कि प्रदर्शनकारियों पर 'कोई लाठीचार्ज' नहीं किया गया है, लेकिन उन पर पुलिस मुख्यालय, राजभवन और मुख्यमंत्री आवास जैसे महत्वपूर्ण स्थानों के करीब स्थित क्षेत्र में सड़क यातायात को बाधित करने के लिए मामला दर्ज किया जाएगा। जिलाधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, हमने उन लोगों की पहचान कर ली है जिनके उकसाने पर अभ्यर्थी आयोग के कार्यालय के पास इकट्ठा हुए और बेली रोड पर यातायात की आवाजाही को बाधित किया। सभी प्रदर्शनकारियों को सुरक्षाकर्मियों ने हटा दिया है। पुलिस बीपीएससी अभ्यर्थियों को भड़काने के लिए पटना के दो शिक्षकों के खिलाफ भी प्राथमिकी दर्ज कर रही है। उन्होंने बताया कि पता चला है कि अधिकतर प्रदर्शनकारी राजधानी के बाहर से लाए गए थे और कुछ दूसरे राज्यों से भी आए थे।

बीपीएससी अभ्यर्थी बृहस्पतिवार को बड़ी संख्या में आयोग कार्यालय के पास एकत्र हुए और 13 दिसंबर को राज्य भर में आयोजित एकीकृत 70वीं संयुक्त (प्रा.) परीक्षा 2024 को रद्द करने की मांग की। इस मांग को आयोग ने खारिज कर चुका है। मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों ने उन्हें वहां से हटा दिया।

जिलाधिकारी ने कहा, वे बीपीएससी कार्यालय की ओर बढ़ना चाहते थे, लेकिन पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने उन्हें ऐसा करने की अनुमति नहीं दी। सुरक्षाकर्मियों के बार-बार अनुरोध के बावजूद उन्होंने सड़क खाली करने से इनकार कर दिया। यह प्रतिबंधित क्षेत्र है और यहां विरोध प्रदर्शन की अनुमति नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रदर्शन के दौरान दो-तीन छात्र घायल भी हुए हैं।

जुपिटर इंटरनेशनल ओडिशा में 2,000 करोड़ रुपए के निवेश से सेल, मॉड्यूल इकाई लगाएगी

नई दिल्ली/भाषा। जुपिटर इंटरनेशनल ने ओडिशा सरकार के साथ 2,005 करोड़ रुपए के निवेश के साथ राज्य में फोटोवोल्टिक सौर सेल और मॉड्यूल विनिर्माण इकाई स्थापित करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

जुपिटर इंटरनेशनल ने बयान में कहा उसकी अनुषंगी कंपनी जुपिटर रिन्यूएबल्स के माध्यम से स्थापित की जाने वाली इस सुविधा की वार्षिक उत्पादन क्षमता सौर सेल के लिए 4.2 गीगावाट और मॉड्यूल के लिए 3.6 गीगावाट होगी। भुवनेश्वर में उत्कर्ष ओडिशा-मेक इन ओडिशा कॉन्क्लेव-2025 के दौरान समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। जुपिटर इंटरनेशनल के प्रबंध निदेशक आलोक गरोडिया ने कहा, उन्नत सौर सेल और मॉड्यूल विनिर्माण को एकीकृत करके, यह सुविधा स्वच्छ ऊर्जा बदलाव का समर्थन करने वाली स्थायी आपूर्ति शृंखला को मजबूत करने और बनाने में मदद करेगी। यह पहल व्यापक विस्तार योजना का हिस्सा है, जिसमें लक्ष्य 3 साल में 3 गीगावाट वेफर क्षमता, 9.4 गीगावाट सौर सेल क्षमता और छह गीगावाट मॉड्यूल उत्पादन हासिल करना है।

संभल में पूर्व में हुए दंगों के पीड़ितों ने की न्यायिक जांच की मांग, सौंपा ज्ञापन

संभल (उप्र)/भाषा। संभल में वर्ष 1978, 1986 और 1992 में हुए दंगों के पीड़ितों ने उन वारदात की जांच के लिए न्यायिक आयोग गठित करने की मांग करते हुए बृहस्पतिवार को इस सिलसिले में उप जिलाधिकारी को एक ज्ञापन दिया।

संभल में पिछले साल 24 नवंबर को जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा के मामले की जांच के लिए गठित न्यायिक आयोग के सदस्यों द्वारा लोक निर्माण विभाग के अतिथि गृह में सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। इस बीच वर्ष 1978, 1986 और 1992 में संभल में हुए दंगों के पीड़ित अनेक लोग के साथ जुलूस के रूप में अतिथि गृह पहुंचे और उप जिलाधिकारी वंदना मिश्रा को एक ज्ञापन सौंपा। उप जिलाधिकारी मिश्रा ने बताया कि संभल में पूर्व में हुए दंगों के पीड़ितों ने उन घटनाओं की जांच के लिए न्यायिक आयोग के गठन की मांग करते हुए इस सिलसिले में ज्ञापन सौंपा है, जिसे आयोग को दे दिया जाएगा। 1978 में संभल में हुए दंगे के पीड़ित मनोज कुमार ने बताया कि फसाद के दौरान उनके दादा किशन सिंह और दादी नरेनी को जिंदा जला दिया गया था।

महात्मा गांधी को गोली मारने वालों की विचारधारा आज देश चला रही है : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर देश में नफरत फैलाने का आरोप लगाया और यह दावा किया कि जिन लोगों ने महात्मा गांधी को गोली मारी थी उनकी विचारधारा आज भारत को चला रही है। उन्होंने बादली में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि वह अपनी जान दे सकते हैं, लेकिन भाजपा और आरएसएस से कभी समझौता नहीं कर सकते।

राहुल गांधी ने आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल पर भी तीखा प्रहार जारी रखा और कहा कि स्वच्छ राजनीति की बात करने वाले पूर्व मुख्यमंत्री ने सबसे बड़ा शराब घोटाला कर दिया। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव बादली से उम्मीदवार हैं।

राहुल गांधी ने भाजपा और आरएसएस पर नफरत फैलाने का आरोप लगाया और कहा, जहां भी ये नफरत फैलाएंगे, वहां हम मोहब्बत की दुकान खोलेंगे। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि भाजपा और आरएसएस के लोग संविधान को खत्म करना चाहते हैं।

राहुल गांधी ने कहा, मोदी जी नफरत फैलाते हैं क्योंकि वह चाहते हैं कि देश की जनता बंट जाए और फिर आपका धन अदाणी और अंबानी जैसे लोगों को दिया जा सके। उन्होंने दावा किया कि भाजपा दलितों, गरीबों, आदिवासियों, पिछड़ों और किसानों के खिलाफ है। उन्होंने महात्मा गांधी की पुण्यतिथि का उल्लेख करते हुए दावा किया, गांधी जी को इन्हीं लोगों ने गोली मारी थी जिनकी विचारधारा आज हिंदुस्तान को चला रही है।

राहुल गांधी ने कहा, आज दो सोच की लड़ाई है। एक तरफ कांग्रेस और दूसरी तरफ भाजपा एवं आरएसएस हैं।

उनके मुताबिक, सब जानते हैं कि कांग्रेस और राहुल गांधी कभी भी भाजपा के साथ समझौता नहीं कर सकते।

उन्होंने कहा, मैं नहीं डरता। मुझसे पूछताछ की गई, मैंने कहा कि मुझे गिरफ्तार कर लो...हम मर जाएंगे, लेकिन इन लोगों से समझौता नहीं कर सकते।

हिंदू महासभा ने मनाया महात्मा गांधी की हत्या का जश्न, गोडसे को दिया सम्मान

मेरठ (उप्र)/भाषा। अखिल भारत हिंदू महासभा ने बृहस्पतिवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उनकी हत्या का जश्न मनाया और उनके हत्यारे नाथूराम गोडसे को सम्मान देकर विवाद खड़ा कर दिया। हिंदू महासभा से कथित तौर पर जुड़े गोडसे ने दिल्ली के बिड़ला हाउस में 30 जनवरी 1948 को प्रार्थना सभा के दौरान गांधी की गोली मारकर हत्या कर दी थी। उसे 1949 में अंबाला जेल में फांसी दे दी गई थी। अखिल भारत हिंदू महासभा के सदस्य 'अमर शहीद नाथूराम गोडसे नाना आप्टे धाम' में एकत्र हुए और गोडसे के कार्यों को 'याद' किया। महासभा के वरिष्ठ नेता और नाना आप्टे धाम के संस्थापक पंडित अशोक शर्मा ने कार्यक्रम का नेतृत्व किया। समारोह में हवन और पूजा आदि की गई तथा हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। धार्मिक समारोह का उद्देश्य कथित तौर पर दुनिया भर से गांधीवाद का 'सफाया' करना था।

भ्रष्टाचार के आरोपियों को जेल भेजने की बात करने वाली भाजपा ने उन्हें मंत्रिमंडल में जगह दी: राज ठाकरे

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे ने बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी ने एक बार कहा था कि करोड़ों रुपए के घोटाले में शामिल नेताओं को सलाखों के पीछे डाला जाएगा लेकिन उन्हें राज्य मंत्रिमंडल में शामिल कर लिया गया।

ठाकरे ने मनसे की सभा को संबोधित करते हुए पिछले वर्ष महाराष्ट्र विस चुनावों के नतीजों पर भी संदेह जताया और पूछा कि कैसे अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा ने लोस चुनावों में केवल एक सीट जीतने के कुछ महीने बाद ही 42 सीट पर जीत हासिल कर ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि 70,000 करोड़ रुपए के घोटाले में शामिल लोगों को सलाखों के पीछे डाला जाएगा। लेकिन उन्हें कहां रखा गया? मंत्रिमंडल में। वह मप्र में 2023 में दिए गए प्रधानमंत्री मोदी के भाषण का जिक्र कर रहे थे, जहां उन्होंने महाराष्ट्र में कथित सिंचाई घोटाले का मुद्दा उठाया था।

जद (यू) ने एक साथ चुनाव पर गठित समिति का कार्यकाल बढ़ाने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सहयोगी जनता दल (यूनाइटेड) ने 'एक देश, एक चुनाव' संबंधी विधेयकों पर विचार के लिए गठित संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के कार्यकाल में विस्तार की मांग की है, जबकि इसके एक अन्य सहयोगी दल लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) ने बिहार के लिए 'विशेष औद्योगिक पैकेज' की मांग उठाई।

सूत्रों ने बताया कि सर्वदलीय बैठक में जद(यू) के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने जेपीसी के कार्यकाल में विस्तार की मांग की। जेपीसी को बजट सत्र के अंतिम सप्ताह के पहले दिन तक अपनी रिपोर्ट सौंपने को कहा गया था। पार्टी ने कहा कि उसने समिति के कार्यकाल में विस्तार की मांग की हैं क्योंकि इसकी केवल एक बार बैठक हुई है जबकि इस तरह के एक महत्वपूर्ण कानून के लिए व्यापक विचार-विमर्श की आवश्यकता है। 'एक देश, एक चुनाव' के लिए 39 सदस्यीय समिति में झा भी एक सदस्य हैं। भाजपा सांसद पीपी चौधरी की अध्यक्षता वाली समिति की शुक्रवार को दूसरी बैठक प्रस्तावित है। झा ने यह भी कहा कि संसद कृत्रिम मेधा (एआई) में भारत की वर्तमान स्थिति पर चर्चा करे। उन्होंने इस बात को रेखांकित किया कि कैसे चीनी 'अपस्टार्ट डीपसीक' ने क्षेत्र में हड़कंप मचा दिया है, जिसपर अब तक अमेरिकी कंपनियों का वर्चस्व था। प्रदर्शन के मामले में विश्वस्तरीय प्रतिद्वंद्वियों के बराबर लेकिन कम लागत वाला एआई मूलभूत मॉडल होने के अपने दावे के साथ, डीपसीक के अचानक उभरने से पश्चिमी कंपनियों, विशेष रूप से ओपनएआई के वर्चस्व को खतरा पैदा हो गया।

'किंग' की घरवापसी : विराट कोहली की एक झलक पाने दिल्ली के रणजी मैच में उमड़ी भीड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विराट कोहली का खुमार भारतीय क्रिकेटप्रेमियों के सिर चढकर बोलता है और इसकी झलक यहां बृहस्पतिवार को दिल्ली और रेलवे के बीच रणजी ट्रॉफी मैच में देखने को मिली जब उनका नाम सुनते ही दर्शकों रोमांच के मारे चिल्लाने लगे और अभूतपूर्व भीड़ के कारण डीडीसीए को ऐन मौके पर अतिरिक्त इंतजाम करने पड़े। कोहली 13 साल बार रणजी ट्रॉफी मैच खेल रहे हैं। डीडीसीए (दिल्ली और जिला क्रिकेट संघ) ने कोहली की 'घर वापसी' वाले मैच में करीब दस हजार दर्शकों के आने का कयास लगाया था जो रणजी ट्रॉफी मैच में एक रिकॉर्ड है। कोहली का जादू ऐसा है कि सारे कयास धरे रह गए और इससे कहीं अधिक संख्या में लोग आए।

खेल 9 . 30 पर शुरू होना था और इससे काफी पहले से दर्शकों की कतारें लगनी शुरू हो गई थी। डीडीसीए ने पहले 6000 की क्षमता वाला ' गौतम गंभीर स्टैंड' खोला लेकिन भीड़ को देखते हुए 11000 की क्षमता वाला 'बिशन सिंह बेदी स्टैंड' खोलना पड़ा। मैदान पर मौजूद भारत के एक पूर्व क्रिकेटर ने कहा, मैने रणजी ट्रॉफी में ऐसा कुछ कभी नहीं देखा है। अपने खेलने के दिनों में भी घरेलू क्रिकेट देखने दर्शकों को कम ही आते देखा है। यह सब एक खिलाड़ी के लिए हुआ है। इसी बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का काफिला भी उसी जगह से गुजर रहा था जो महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित करने राजघाट गए थे। डीडीसीए सचिव अशोक शर्मा ने पीटीआई से कहा, मैं 30 साल से अधिक समय से दिल्ली क्रिकेट से जुड़ा हूं लेकिन रणजी ट्रॉफी मैच में ऐसा नजारा नहीं देखा। इससे साबित होता है कि कोहली की लोकप्रियता का कोई सानी नहीं। उन्होंने कहा, यह इसलिए भी और चुनौतीपूर्ण हो गया क्योंकि दर्शक उसी समय स्टेडियम में आ रहे थे जब बाहर प्रधानमंत्री मोदी की वीआईपी मूवमेंट थी। कड़े प्रोटोकॉल और पुलिस के निर्देशों के बाद हमें जनता के लिए दूसरा स्टैंड खोलना पड़ा। दिल्ली पुलिस ने भी स्टेडियम के भीतर कुछ अफरातफरी के बाद बयान जारी करके बताया कि कोई अप्रिय घटना नहीं हुई है।

पुलिस ने बयान में कहा, अतिरिक्त दरवाजे तुरंत खेल दिए गए। किसी को कोई चोट नहीं लगी है और स्थिति नियंत्रण में है। आखिरी बार किसी घरेलू मैच में इस तरह की भीड़ तब देखी गई थी जब सचिन तेंदुलकर ने 2013 में हरियाणा के लाहली में मुंबई के लिए आखिरी प्रथम श्रेणी मैच खेला था।

नर्मदा ने स्वर्ण पदक जीतकर राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा, अनिष भानवाला को भी स्वर्ण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। विश्व कप की पूर्व विजेता नर्मदा नितिन राजू ने बृहस्पतिवार को यहां 38वें राष्ट्रीय खेलों में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने के दौरान एशियाई खेलों की पदक विजेता रमिता जिंदल और ओलंपियन इलावेनिल वालारिवन सहित कई मजबूत निशानेबाजों को मात देते हुए राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया और विश्व रिकॉर्ड की बराबरी करने से महज मामूली अंतर से चूक गईं।

अन्य नतीजों में हरियाणा के 2022 विश्व चैंपियनशिप रजत पदक विजेता अनीष भानवाला ने पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा में 31 हिट से स्वर्ण पदक जीता। सेना के गुरप्रीत सिंह 28 हिट से दूसरे और पंजाब के विजयवीर सिद्धू 26 हिट से तीसरे स्थान पर रहे। तमिलनाडु का प्रतिनिधित्व कर रहीं नर्मदा ने आठ निशानेबाजों के फाइनल में 254.4 के स्कोर के साथ पोडियम में शीर्ष स्थान हासिल किया तथा महाराष्ट्र की आर्या बोरसे (252.5) और रमिता (230.4) को पछाड़ा।

सुविचार

खुद पर काबु रखना एक परिपक्व इंसान की निशानी है; वक्त से पहले खुद पर काबु खो देना अपरिपक्वता की पहचान है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

एआईः इस्तेमाल की हद तय करें

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने एआई के बारे में बड़ी गहरी बात कही है। बेशक इसके विभिन्न मंच मनुष्य की आलोचनात्मक सोच का विकल्प नहीं बन सकते और देश अपने लोगों की बुद्धिमत्ता के जरिए ही प्रगति करेगा। एआई के क्षेत्र में काम होना चाहिए, जहां जरूरी हो, वहां इसका इस्तेमाल होना चाहिए, लेकिन इस पर पूरी तरह निर्भर नहीं होना चाहिए। यह कोई जादू की छड़ी नहीं है, जिसके पास हर समस्या का समाधान हो। देश में जैसे-जैसे इंटरनेट सुलभ हुआ है, विद्यार्थियों की कुछ आदतों में खास तरह के बदलाव आए हैं, जिन पर गौर करने की जरूरत है। पहले, होमवर्क करने के लिए विद्यार्थियों को बहुत मेहनत करनी होती थी, शिक्षक द्वारा दिए गए सवालों को हल करने के लिए काफी पढ़ना और अभ्यास करना होता था। अब एआई मंच चुटकियों में जवाब बता देते हैं। अगर किसी विद्यार्थी की इन पर निर्भरता बढ़ेगी तो निश्चित रूप से उसकी बौद्धिक क्षमता प्रभावित होगी। इसी तरह निबंध लेखन में एआई की मदद लेना एक हद तक सहायक हो सकता है, लेकिन उसके द्वारा प्रस्तुत की गई सामग्री को हू-ब-हू उतार देने से विद्यार्थी का प्रदर्शन नहीं सुधरेगा। कई बच्चे एआई के इतने आदी हो चुके हैं कि वे इसे अपना अभिन्न मित्र मानने लगे हैं। कई युवा भी उसके साथ अपने मन की बात साझा करते हैं। अमेरिका, चीन, जापान समेत कई देशों में लोग अकेलेपन का समाधान एआई में ढूंढ़ रहे हैं। वे संबंधित चैटबॉट के साथ घंटों बातें करते हैं। इससे कालांतर में परिवार टूटने का खतरा पैदा हो सकता है।

गूगल मैप की 'लोकेशन' पर बहुत भरोसा करने वाली पीढ़ी 'दाएं और बाएं' में अंतर करने में कठिनाई महसूस करती है। अगर अब यह स्थिति है तो उस समय क्या होगा, जब एआई पर ज्यादा निर्भरता बढ़ जाएगी?

जटिल गणनाओं और वैज्ञानिक प्रयोगों में एआई का इस्तेमाल वरदान सिद्ध हो सकता है। हालांकि इसे विद्यार्थियों को सिखाई जाने वाली बुनियादी बातों का विकल्प नहीं समझना चाहिए। बच्चों को गिनती, पहाड़े, शब्दज्ञान में जरूर निपुण होना चाहिए, अन्यथा उच्च कक्षाओं में बहुत दिक्कत हो सकती है। इस बात से सभी सहमत होंगे कि पश्चिमी देशों में भारतीय मूल के लोगों के 'गणितज्ञान' की बड़ी धाक है। अमेरिका में स्पेल बी जैसी प्रतियोगिताओं में भारतीय बच्चे कई बार अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा चुके हैं। अगर यहां एआई का इस्तेमाल करें तो इस तरह करें कि ज्ञान में और वृद्धि हो। पहले, स्कूलों में 40 तक पहाड़े याद करना अनिवार्य होता था। उसके बाद 20 तक पहाड़े याद होना पर्याप्त समझा जाने लगा। अब स्थिति यह है कि कई बच्चे 10 तक पहाड़ों में ही अटक जाते हैं। कई विद्यार्थियों की मोबाइल फोन और लैपटॉप पर टाइपिंग की गति बहुत अच्छी होती है, लेकिन जब उन्हें कलम से लिखने के लिए कहा जाता है तो वे खूब गलतियां करते हैं और उनकी लिखावट में काफी सुधार की गुंजाइश देखने को मिलती है। कई बच्चे दूध का सामान्य हिसाब नहीं कर पाते। उन्हें इसके लिए कैल्कुलेटर की मदद लेनी पड़ती है, जो मोबाइल फोन में मौजूद होता ही है। वे 'पाव', 'पौन' और 'सवा' के हिसाब में गलती कर बैठते हैं। सब्जी मंडी में उस समय विचित्र स्थिति पैदा हो जाती है, जब विक्रेता 'उन्यासी' रुपए मांगता है और वे 'नवासी' रुपए थमा देते हैं! गूगल मैप की 'लोकेशन' पर बहुत भरोसा करने वाली पीढ़ी 'दाएं और बाएं' में अंतर करने में कठिनाई महसूस करती है। अगर अब यह स्थिति है तो उस समय क्या होगा, जब एआई पर ज्यादा निर्भरता बढ़ जाएगी? एआई मंच समय के साथ और उन्नत होते जाएंगे, जिनसे फायदे होंगे, लेकिन इनके इस्तेमाल की एक हद जरूर तय करनी होगी।

ट्वीटर टॉक

नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन को मंजूरी दी। यह मिशन भारत की खनिज आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने, औद्योगिक विकास को गति देने और देश को खनिज संसाधनों में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

-अर्जुनराम मेघवाल

फलोदी-खारा के निवासी बीएसएफ के बहादुर एएसआई श्री भंवरलाल जी बिश्नोई कर्तव्य निर्वहन करते हुए सदगति को प्राप्त हुए हैं। उनकी देशभक्ति और बलिदान पर गर्व है, वहीं उन्हें खोने की पीड़ा भी है। परिवारजनों को कृतज्ञ भाव से संवेदनाएं प्रेषित हैं।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

आज मुख्यमंत्री निवास पर राजस्थान सरकार के मंत्रिपरिषद सदस्यों के साथ संवाद किया। इस अवसर पर प्रदेश के विकास कार्यों, जन-कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति, आगामी परियोजनाओं एवं प्रशासनिक व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के विषय में विस्तृत चर्चा की गई।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

साधारण व्यक्ति, बड़ी सलाह

लाल बहादुर शास्त्री जी प्रधानमंत्री होने के बावजूद अत्यंत सादगी से रहते थे। वे प्रायः महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा करते वक्त अपने सहयोगियों अथवा नौकर या माली से पूछ बैठते। लोगों को शास्त्री जी का यह व्यवहार बड़ा ही अजीब लगता था। एक दिन उनके एक मित्र ने उनसे पूछ ही लिया, 'शास्त्री जी!' आपका यह व्यवहार आज तक हमारी समझ में नहीं आया। कहां राजनीति की पेचीदा बातें और कहां नौकर या माली की राय? तब शास्त्री जी मुस्कुरा कर बोले, 'आपके इस प्रश्न का जवाब मैं एक सच्ची घटना सुनाकर देना चाहता हूं। गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत की खोज करने वाले न्यूटन की बिल्ली ने बच्चे दिए। रात को जब घर के सभी दरवाजे बंद हो जाते तो बिल्ली और उसके बच्चे बाहर निकलने के लिए उत्पात मचाते। तब न्यूटन ने बिल्ली और उसके बच्चे बाहर निकलने के लिए दरवाजे में दो छेद एक छोटा और एक बड़ा छेद बनाने के लिए अपने नौकर से कहा। तब न्यूटन के नौकर ने सुझाया कि एक बड़ा ही छेद काफी है क्योंकि जिस छेद से बिल्ली गुजरेगी उसी छेद से बिल्ली के बच्चे और भी आसानी से निकल जाएंगे। यह सुनकर न्यूटन हैरान रह गए कि इतनी मामूली-सी बात उन्हें क्यों नहीं सूझी?'

सामयिक

दिल्ली चुनाव में निर्णायक होंगे दलित-ओबीसी मतदाता

रमेश सर्राफ धमोरा

मोबाइल : 9414255034

दिल्ली में विधानसभा चुनाव के लिए वोट डालने में अब कुछ दिनों का समय ही शेष रह गया है। वहां चुनाव प्रचार पूरे शबाब पर है। सभी दलों के बड़े नेता अपनी-अपनी पार्टी प्रत्याशियों को जीताने के लिए जमकर चुनाव प्रचार कर रहे हैं। पूरी दिल्ली में चुनावी चौसर बिछी हुई है। सट्टा बाजार में राजनीतिक दलों की हार-जीत के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं। दिल्ली में किसकी सरकार बनेगी इसका पता तो 8 फरवरी को मतगणना के बाद ही चल पाएगा। मगर दिल्ली विधानसभा चुनाव में इस बार बड़ी कड़ी टक्कर देखने को मिल रही है। एक तरफ जहां सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) चौथी बार सरकार बनाने के प्रयास में लगी हुई है। वहीं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) भी चाहती है कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में उनकी पार्टी की सरकार बने ताकि केंद्र व राज्य का झगड़ा समाप्त हो। कहने को तो दिल्ली केंद्र शासित प्रदेश है। यहां की सरकार व मुख्यमंत्री के पास अन्य प्रदेशों की तरह पूरे अधिकार नहीं होते हैं। मगर दिल्ली का मुख्यमंत्री होना अपने आप में बड़ी बात है। दिल्ली से ही देश की सरकार चलती है। ऐसे में दिल्ली में जो सरकार बनती है उसके महत्व को नकारा नहीं जा सकता है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में इस बार दलित, जाट व गुर्जर मतदाताओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होने जा रही है। दिल्ली में 12 विधानसभा सीट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है। यहां करीबन 18 प्रतिशत दलित मतदाता है। दिल्ली की आरक्षित 12 सीटों के अलावा 18 और ऐसी विधानसभा सीटे हैं जहां दलित मतदाताओं की संख्या 15 प्रतिशत से अधिक है। ऐसे में दिल्ली की 30 विधानसभा सीटों पर दलित मतदाताओं की भूमिका महत्वपूर्ण रहने वाली है। दिल्ली में बवाना, सुल्तानपुर माजरा, मंगोलपुरी, करोल बाग, पटेल नगर, मादीपुर, देवली, अंबेडकर नगर, त्रिलोकपुरी, कोंडली, सीमापुरी, गोकलपुर विधानसभा सीट को अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित किया गया है। इसके अलावा करीबन 15 से 20 अन्य ऐसी सीटें है जहां दलित मतदाता निर्णायक भूमिका में रहते हैं। इसलिए दिल्ली विधानसभा की 70 में से करीबन 30 सीटों पर दलित मतदाताओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। 2020 के विधानसभा चुनाव में सभी 12 आरक्षित सीटों पर आम आदमी पार्टी के प्रत्याशियों ने चुनाव जीता था। इसलिए आम आदमी पार्टी का पूरा फोकस दलित मतदाताओं पर है। दिल्ली के अनुसूचित जाति के मतदाताओं में से 38 फीसदी जाटव और 21 फीसदी वाल्मीकि है।

पिछले लोकसभा चुनाव में अनुसूचित जाति के मतदाताओं के लिए देश भर में आरक्षित 84 लोकसभा सीटों में से भाजपा मात्र 30 सीट पर ही चुनाव जीत पाई थी। इंडिया गठबंधन के भाजपा द्वारा संविधान बदलने के नारे के कारण दलित मतदाता भाजपा से छिटककर विपक्षी खेमे में चले गए थे। इसी तरह दिल्ली में भी पिछले दो विधानसभा चुनाव में अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित सभी 12 सीटों पर आम आदमी पार्टी लगातार जीतती आ रही है। इसलिए अनुसूचित जाति के मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिए भाजपा व कांग्रेस इस बार के चुनाव में पूरा जोर लगा रही है।

भाजपा ने 12 आरक्षित सीटों के अलावा दो सामान्य सीटों मटिया महल से दीप्ति इंदौरा व बल्लीमारन से कमल बागड़ी को उम्मीदवार बनाया है। इस तरह भाजपा ने कुल 14 सीटो पर दलित उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। वहीं कांग्रेस ने भी नरेला से अनुसूचित जाति की अरुणा कुमारी को टिकट देखकर कल 13 सीटों पर दलित प्रत्याशियों को मैदान में उतारा है। भाजपा व कांग्रेस की रणनीति है कि दलित मतदाताओं को आम आदमी पार्टी से दूर किया जाए।

आम आदमी पार्टी ने 12 आरक्षित सीटों पर ही अनुसूचित जाति के प्रत्याशियों को टिकट दी है। हरियाणा व महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में एक बार फिर दलित मतदाताओं का रुझान भाजपा की तरफ होने के चलते वहां भाजपा ने बड़ी जीत हासिल की थी। इसी से उत्साहित होकर भाजपा अनुसूचित जाति के मतदाताओं की बहुलता वाली सीटों पर विशेष चुनावी प्रबंधन कर चुनावी रणनीति बना रही है।

दिल्ली में जाट मतदाताओं की बहुलता वाली 10 सीटों महरौली, मुंडका, रिठाला, नांगलोई, मटियाला, पालम, नरेला, विकासपुरी, नजफगढ़ व बिजवासन पर आम आदमी पार्टी का कब्जा है। इस बार भाजपा आम आदमी पार्टी से इन सभी 10 सीटों को छीन कर अपनी वापसी का प्रयास कर रही है। भाजपा ने इस बार करीबन 14 टिकट जाट नेताओं को दी है। जिनमें पूर्व सांसद प्रवेश वर्मा नई दिल्ली से पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सामने चुनाव लड़ रहे हैं। वही आप सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे कैलाश गहलोत भी बीजेपी टिकट पर बिजवासन से चुनाव लड़ रहे हैं। कैलाश गहलोत के भाजपा में जाने से आप के पास कोई बड़ा जाट नेता नहीं रह गया है जो जाट मतदाताओं को आप पार्टी से जोड़े रख सके। जबकि भाजपा ने पूर्व सांसद प्रवेश वर्मा को अरविंद केजरीवाल के सामने खड़ा कर दिल्ली के चुनाव को रोचक बना दिया है।

दिल्ली में गुर्जर मतदाताओं की भी बड़ी संख्या है। इनके प्रभाव वाली छतरपुर, मुस्तफाबाद, तुगलकाबाद, घोंडा, गोकुलपुरी, ओखला पर आम आदमी पार्टी का कब्जा है। वहीं बदरपुर, करावल नगर व पालम पर भाजपा का कब्जा है। दिल्ली के पूर्व सांसद व बड़े गुर्जर नेता रमेश बिधूड़ी को भाजपा ने मुख्यमंत्री आतिशी मार्लेना के खिलाफ चुनाव मैदान में उतार कर चुनाव को रोचक बना दिया है।

दिल्ली में मदनलाल खुराना व साहिब सिंह वर्मा के बाद हमेशा बाहरी व्यक्ति ही मुख्यमंत्री बनता रहा है। सुषमा स्वराज, शीला दीक्षित, अरविंद केजरीवाल, अतिशी मार्लेना जैसे लोग दिल्ली के मूल निवासी नहीं है। इसलिए दिल्ली के लोग चाहते हैं कि अब की बार दिल्ली का ही रहने वाला नेता दिल्ली का मुख्यमंत्री बने ताकि उसे दिल्ली की असली नब्ज व समस्याओं की बखूबी जानकारी हो। जाट मतदाता चाहते हैं कि साहिब सिंह वर्मा के बाद एक बार फिर उनके बेटे प्रवेश वर्मा को मुख्यमंत्री बनाया जाए ताकि दिल्ली का सर्वांगीण विकास हो सके। वही गुर्जर मतदाता रमेश बिधूड़ी को मुख्यमंत्री बनाने की का मांग कर रहे हैं। कहने को तो कांग्रेस भी पूरी सक्रियता से चुनाव लड़ रही है। मगर इंडिया गठबंधन में उनके साथी दलों द्वारा आम आदमी पार्टी को समर्थन देने के बाद कांग्रेस का मनोबल कमजोर हुआ है। इसी के चलते कांग्रेस का चुनाव प्रचार भी ज्यादा गति नहीं पकड़ पाया है। ऐसे में मुख्य मुकाबला आप व भाजपा के मध्य माना जा रहा है।

दिल्ली विधानसभा के चुनाव में जो संघर्ष देखने को मिल रहा है उससे लगता है कि इस बार मुकाबला नेक टू नेक होने की पूरी संभावना नजर आ रही है। सभी दलो द्वारा मतदाताओं को लुभाने के लिये बड़ी-बड़ी धोषणा की जा रही है। पिछले लोकसभा चुनाव का ट्रेंड देखकर तो यही लगता है कि इस बार भाजपा, आआप व कांग्रेस में से कौन सी पार्टी सरकार बनायेगी यह कोई नहीं बता सकता है। इसका फैसला तो वोट डालकर दिल्ली के मतदाता ही करेंगे। जिस पार्टी के पक्ष में दिल्ली के मतदाता मतदान करेंगे। वही पार्टी दिल्ली में सरकार बनाएगी।

नजरिया

क्या बजट आम आदमी की उम्मीदों पर खरा उतरेगा?

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी को लगातार अपना आठवां बजट पेश करेंगी। यह केंद्रीय बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार का अपने तीसरे कार्यकाल का दूसरा पूर्ण वित्तीय बजट होगा। इस बार के बजट से हर सेक्टर की बड़ी उम्मीदें टिकी हुई हैं, इस बजट की घोषणाओं से भविष्य में राष्ट्र किन दिशाओं में आगे बढ़ेगा, उसकी मंशा एवं दिशा अवश्य स्पष्ट होगी। टैक्सपेयर्स भी इस बार वित्तमंत्री से इनकम टैक्स में राहत देने की उम्मीद कर रहा है। मिडिल-क्लास और वेतनभोगियों को भी राहत की उम्मीद है। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण की एक मौलिक सोच एवं दृष्टि से यह बजट दुनिया में भारतीय अर्थव्यवस्था को एक चमकते सितारे के रूप में स्थापित करने एवं सुदृढ़ आर्थिक विकास के लिये आगे की राह दिखाने वाला होगा। संभावना है कि इस बजट में समावेशी विकास, वंचितों को वरीयता, बुनियादी ढांचे में निवेश, क्षमता विस्तार, हरित विकास, महिलाओं एवं युवाओं की भागीदारी, मोदी की गारंटियों पर बल दिया जायेगा। इंफ्रास्ट्रक्चर, मैन्युफैक्चरिंग, डिजिटल और सामाजिक विकास की दृष्टि से देश को आत्मनिर्भर बनाने की रफ्तार को भी गति दी जायेगी। यह बजट देश को न केवल विकसित देशों में बल्कि इसकी अर्थव्यवस्था को विश्व स्तर पर तीसरे स्थान दिलाने के संकल्प को बल देने में सहायक बनेगा।

आम आदमी बढ़ती महंगाई, बेरोज़गारी और घटती खपत के बीच कुछ राहत की उम्मीद लगा रहा है। बजट, शिक्षा, रक्षा, उद्योग, महिलाओं और गरीब वर्गों के लिए सुधारों और प्रोत्साहनों का खाका तैयार करेगा। वित्त मंत्री से उम्मीद की जा रही है कि वे आयकर स्लैब में बदलाव करेंगी, जिससे वेतनभोगियों एवं करदाताओं को राहत मिलेगी। इस समय वेतनभोगी एवं करदाता की 15 लाख रुपये से अधिक की आमदनी पर 30 प्रतिशत टैक्स लगता है। सरकार 10 लाख रुपये तक की आय को पूरी तरह टैक्स-फ्री करने और 15 से 20 लाख रुपये की आमदनी पर 25 प्रतिशत का नया टैक्स स्लैब लाने पर विचार कर रही है। इससे मध्यम वर्ग के लोगों की खर्च करने की क्षमता बढ़ेगी, जो अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करेगा। केंद्र सरकार बजट सत्र 2025 में नया आयकर कानून पेश करने की योजना बना रही है, जो करदाताओं को लाभान्वित करेगा और कर प्रणाली को सरल बनाएगा। इसके अलावा, सरकार इस बार के बजट में शेयर से होने वाली कमाई पर टैक्स लगाने का प्रावधान कर सकती है। इसमें शेयरों से मिलने वाले लाभांश, ब्याज से होने वाली कमाई और पूंजीगत लाभ पर भी टैक्स लगाया जा सकता है।

यह बजट न केवल देश की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करेगा, बल्कि सामाजिक और तकनीकी विकास की दिशा में भारत को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। बढ़ती महंगाई पर नियंत्रण की भी संभावनाएं हैं। इस बजट से विभिन्न क्षेत्रों में कई महत्वपूर्ण घोषणाओं की उम्मीद है, जो अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने और आम जनता को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से की जा सकती हैं। आम आदमी के लिए सबसे पीड़ादायक टैक्स का बोझ है। हालांकि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) जैसे टैक्स का फ़ैसला समय-समय पर जीएसटी काउंसिल में लिया जाता है, लेकिन सरकार से उम्मीद की जाती है कि वो इन शुल्कों को और तर्कसंगत बनाकर आम लोगों को कुछ राहत दे। अर्थव्यवस्था की रफ्तार धीमी पड़ने के कारण निवेशकों में घबराहट है और इसने रोज़गार के अवसरों को भी कम किया है जबकि महंगाई के हिसाब से मज़दूरी और वेतन में बढ़ोतरी नहीं होने से ख़ासकर सीमित आमदनी वाले परिवारों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। पिछली तिमाहियों में कंपनियों के निराशाजनक प्रदर्शन ने भी इन हालात को मुश्किल बनाया है। जिससे नौकरी चाहने वाले युवाओं को पर्याप्त संख्या में रोज़गार नहीं मिल पा रहा है। इन सारे कारकों के कारण मध्य वर्ग ने अपने खर्चों में कटौती की है जिससे पिछले कुछ महीनों में उपभोग में गिरावट आई है। इन परेशानियों एवं चिन्ताओं को कम करने में इस बार का बजट राहतभरा होने की उम्मीदे हैं।

एक फरवरी को होने वाली आर्थिक घोषणाओं को चाहे जो नाम दिया जाये, उनसे वह दशा एवं दिशा स्पष्ट होनी चाहिए कि भविष्य के लिये हम कौनसी राह पकडने वाले हैं। हम किस तरह से आदिवासी समुदाय के उन्नयन के लिये प्रतिबद्ध होंगे। भारत की अर्थव्यवस्था के उन्नयन एवं उम्मीदों को आकार देने की ष्टि से हम किस तरह से मील का पत्थर साबित होंगे।

बजट में विभिन्न उद्योगों, विशेषकर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए प्रोत्साहन योजनाओं की घोषणा से रोजगार सृजन और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। सड़कों, रेल, बंदरगाहों और हवाई अड्डों के विकास के लिए बड़े पैमाने पर निवेश की योजना बनाई जा सकती है, जिससे लॉजिस्टिक्स में सुधार होगा और व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने और शिक्षा के स्तर में सुधार के लिए बजट में विशेष प्रावधान किए जा सकते हैं, जिससे मानव संसाधन का विकास हो सके। महिलाओं के लिए विशेष योजनाओं की घोषणा की जा सकती है, डिजिटल बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने के लिए नई योजनाएं लाई जा सकती हैं। उच्च शिक्षा और अनुसंधान संस्थानों के लिए अतिरिक्त अनुदान दिया जा सकता है। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, और चिकित्सा के क्षेत्र में इनोवेशन को प्रोत्साहित करने के लिए नई योजनाएं लाई जा सकती हैं। मेक इन इंडिया पहल के तहत स्वदेशी हथियार निर्माण को प्रोत्साहित किया जाएगा। साइबर खतरों से निपटने के लिए रक्षा बजट का एक हिस्सा डिजिटल सुरक्षा पर केंद्रित हो सकता है। बुलेट ट्रेन परियोजनाओं और रेल नेटवर्क के आधुनिकीकरण को गति दी जाएगी। इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के लिए सब्सिडी और बैटरी निर्माण में निवेश बढ़ाने की योजनाएं पेश की जा सकती हैं। गरीब कल्याण अन्न योजना का विस्तार कर मुफ्त राशन वितरण को जारी रखा जाएगा। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में घर उपलब्ध कराने के लिए बजट बढ़ाया जाएगा।

यह बजट इसलिए विशेष रूप से उल्लेखनीय होगा क्योंकि मोदी सरकार ने देश के आर्थिक भविष्य को सुधारने पर ध्यान दिया, न कि लोकलुभावन योजनाओं के जरिये प्रशंसा पाने अथवा कोई राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश की है। राजनीतिक हितों से ज्यादा देशहित को सामने रखने की यह पहल अनूठी है, प्रेरक है। अमृत काल का विजन तकनीक संचालित और ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था का निर्माण करना है। मोदी के विजन में जहां हर हाथ को काम' का संकल्प साकार होता हुआ दिखाई दे रहा है, वहीं सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' का प्रभाव भी स्पष्ट रूप से उजागर हो रहा है। श्रम शक्ति की ओर ज्यादा तवज्जों देने की जरूरत है। बहुत सारे लोग औसत से अधिक कमाते हैं और बहुत सारे लोग कम। देखना यह है कि आम आदमी को कितना लाभ पहुंचता है। उम्मीद है कि निर्मला सीतारमण के बजट से क्या-क्या निकलता है। किसी भी देश की अर्थव्यवस्था के आकार का मानक उस देश की जीडीपी होती है और बीते 12 वर्षों में भारत की जीडीपी ने तेज उछाल दर्ज की है। तमाम चुनौतियों को पार करते हुए अर्थव्यवस्था 7 फीसदी से अधिक विकास दर से दौड़ने की अपेक्षा है। तमाम तरह की अनुकूलताओं एवं गुलाबी अर्थ रंगों के बावजूद हमें आर्थिक गति की बाधाओं पर भी ध्यान देना होगा। निजी बचत को बढ़ाये बगैर विकास की तेज रफ्तार का टिके रहना मुश्किल होगा। इसलिए इस ओर अभी से ध्यान देना जरूरी है। श्रम-शक्ति में महिलाओं की कम भागीदारी आर्थिक ही नहीं सामाजिक और अन्य दृष्टियों से भी चिंता की बात है। इस मामले में हम पड़ोस के बांग्लादेश और पाकिस्तान से भी पीछे हैं।

एक फरवरी को होने वाली आर्थिक घोषणाओं को चाहे जो नाम दिया जाये, उनसे वह दशा एवं दिशा स्पष्ट होनी चाहिए कि भविष्य के लिये हम कौनसी राह पकडने वाले हैं। हम किस तरह से आदिवासी समुदाय के उन्नयन के लिये प्रतिबद्ध होंगे। भारत की अर्थव्यवस्था के उन्नयन एवं उम्मीदों को आकार देने की दृष्टि से हम किस तरह से मील का पत्थर साबित होंगे। किस तरह से समाज के सभी वर्गों का सर्वांगीण एवं संतुलित विकास सुनिश्चित होगा। इससे देश की अर्थव्यवस्था का जो नक्शा सामने आयेगा वह इस मायने में उम्मीद की छांव देने वाला साबित होगा, जिससे शहर एवं गांवों के संतुलित विकास पर बल मिल सकेगा। जिससे नया भारत- सशक्त भारत के निर्माण का संकल्प भी बलशाली बन सकेगा। सच्चाई यही है कि जब तक जमीनी विकास नहीं होगा, तब तक आर्थिक विकास की गति सुनिश्चित नहीं की जा सकेगी। अक्सर बजट में राजनीति, वोटनीति तथा अपनी व अपनी सरकार की छवि-वृद्धि करने के प्रयास ही अधिक दिखाई देते है लेकिन मोदी सरकार के बजट राजनीति प्रेरित नहीं होकर राष्ट्र प्रेरित रहे है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

महाकुंभ में बिछड़े कुछ लोग परिजनों से मिले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुंभ नगर। महाकुंभ हादसे को करीब 24 घंटे बीत चुके हैं, पर ग्वालियर से 15 लोगों के साथ आई शकुंतला देवी को अब भी उनके अपने तलाश रहे हैं.. उनके भतीजे जितेंद्र साहू बदहवास से हैं। जितेंद्र ने रुंधे हुए गले से पीटीआई -भाषा को बताया, कल हादसे के बाद से बुआ का कोई पता नहीं चल रहा.. बुआ के गले में परिचय पत्र है, पर उनका ना फोन लग रहा है, ना ही उन्होंने किसी से संपर्क किया.. क्या करें समझ नहीं आ रहा। बुधवार तड़के एक से दो बजे के बीच बेकाबू भीड़ बैरियर को ध्वस्त करते हुए उन श्रद्धालुओं पर चढ़ गई जो 144 साल बाद के बहुप्रचारित शुभ मुहूर्त में अमृत स्नान करने के लिए घाट के रास्ते पर देर रात से ही डटे हुए थे। इस घटना के कुछ 18 घंटे बाद मेला प्रशासन ने बुधवार शाम एक संक्षिप्त प्रेस वार्ता में यह बताया कि 30 लोग भगदड़ में मारे गए हैं और 60 घायल हैं।

मामले की न्यायिक जांच के आदेश दिए गए हैं.. पर तब से जितेंद्र जैसे ही कई लोग हैं जो अब भी अपनों को ढूंढ रहे हैं। तब से अब तक लापता हुए लोगों में से कुछ तो अपने परिजनों से मिल गए हैं, लेकिन जितेंद्र जैसे कई लोग अब भी लापता परिजनों की तलाश में परेशान हैं। लापता लोगों में अधिक संख्या महिलाओं की है। हमीरपुर के ढीहा डेरा गांव की फूली निषाद भी मौनी अमावस्या के दिन से ही लापता हैं। फूली के बेटे राजेश निषाद ने बताया, कुंभ मेले में उनकी मां, पिता जी, मामा और मौसी गंगा स्नान करने गए थे। मौनी अमावस्या के दिन शाम को स्नान करने के बाद वह भटक गईं और अब तक उनका पता नहीं चला है। घरवाले भी परेशान हैं। वहीं, देवरिया से 6-7 रिश्तेदारों के साथ मौनी अमावस्या पर स्नान करने आईं माया सिंह भी मेले में लापता हो गईं। उनके पति जनार्दन सिंह ने बताया, ये सभी लोग बनारस से सहसों चौराहे पर पहुंच जहां गाड़ी पार्क कर ये सभी मेले में आए और गंगा स्नान किया। उन्होंने बताया, सभी लोग स्नान करके वापस जाने के लिए सहसों चौराहे पर पहुंचे, लेकिन भीड़ अधिक होने से माया सिंह उसी चौराहे पर कहीं भटक गईं। हर जगह संपर्क करने के बावजूद अभी तक उनका पता नहीं चला।

हालांकि, पीटीआई-भाषा को कई ऐसे लोग भी मिले जो मेले में बिछड़े पर अपने परिजनों से या तो मेला क्षेत्र में ही मिल गए या किसी तरह अपने घर पहुंच गए। ऐसे लोगों में ओड़िशा के केंद्रपाड़ा की रेनू लता नंदी हैं जो मंगलवार रात गंगा स्नान करने के बाद अपने साथ आए लोगों से बिछड़ गई थीं।

रेनू लता नंदी के बेटे अमर कुमार नंदी ने बताया, मेरा मां परसों रात में गंगा स्नान के बाद बिछड़ गई थीं। भगदड़ की घटना के बाद से हमें उनकी बहुत अधिक चिंता थी। लेकिन आज सेक्टर 20 में गांव के ही एक आदमी से उनकी भेंट हो गई। ओड़िशा से 26 लोगों का समूह मेले में आया है और सभी अब बहुत खुश हैं। इसी तरह, अलीगढ़ से अकेले ही गंगा स्नान करने महाकुंभ में आईं 68 वर्षीय स्नेहलता भी मंगलवार को भटक गई थीं और मेले में उनका पर्स और सामान गुम हो गया था। हालांकि वह किसी तरह बुधवार की रात ट्रेन से अलीगढ़ पहुंच गईं। स्नेहलता के बेटे ज्ञानेंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि उनकी मां अकेले ही तीर्थ पर जाती हैं क्योंकि पापा के पैर में दिक्कत है। मां किसी तरह ट्रेन से कल रात घर पहुंच गईं, और उनका पर्स और सामान भी मिल गया है और वह सेक्टर चार के खोया पाया केंद्र में रखा है।

बुधवार को सेक्टर 4 स्थित भारत सेवा दल के भूले भटके शिविर का संचालन करने वाले उमेश चंद्र तिवारी ने बताया, इस बार डिजिटल खोया पाया केंद्र बनने से ज्यादातर लोग उधर ही संपर्क कर रहे हैं और डिजिटल खोया पाया केंद्र हमसे भी समन्वय स्थापित कर लोगों की तलाश में हमारी मदद ले रहा है। डिजिटल खोया पाया केंद्र परिसर में बुधवार की शाम सैकड़ों की संख्या में लोग थकान की वजह से जहां तहां लेटे हुए आराम करते दिखे और केंद्र के लोगों से संपर्क नहीं हो सका।

महाकुंभ में 30 लाख विदेशी पर्यटकों के आने की उम्मीदः शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई।केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने बृहस्पतिवार को कहा कि उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में 30 लाख विदेशी आगंतुकों के आने की उम्मीद है। दुनिया का सबसे बड़ा यह धार्मिक उत्सव 13 जनवरी से 26 फरवरी, 2025 तक आयोजित किया जा रहा है। शेखावत ने बृहस्पतिवार को यहां शुरू हुए तीन दिवसीय 'आउटबाउंड ट्रैवल मार्ट' में कहा, शुरू में, हमने अनुमान लगाया था कि वर्ष 2025 के महाकुंभ मेले में लगभग 15 लाख विदेशी आगंतुक आएंगे, जिसमें प्रवासी भारतीय (एनआरआई) शामिल नहीं हैं। हालांकि, प्रतिक्रिया और आमद को देखते हुए हमने अपने पहले के अनुमान को दोगुना करके 30 लाख विदेशी यात्रियों का अनुमान लगाया है। इसके अलावा, मंत्री ने कहा कि विदेशी आगंतुकों में देश के पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने ई-वीजा सुविधाएं शुरू की हैं और यात्रा सुगमता के लिए पिछले 10 वर्षों में देश में बुनियादी ढांचे का विकास किया है।

इसके अलावा, 'चलो इंडिया' पहल के माध्यम से प्रवासी भारतीयों से दुनिया भर में अपने गैर-भारतीय मित्रों को भारत दिखाने का आग्रह किया गया है। उन्होंने कहा कि ऐसे कई स्थान, गांव और आदिवासी क्षेत्र हैं जो अपने आप में अनूठे हैं और देश की संस्कृति की गहराई को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा, इसे बढ़ावा देने के लिए हमने आदिवासी क्षेत्रों में 1,000 से अधिक 'होम स्टे' (पर्यटकों के लिए घर जैसा स्थान) उपलब्ध कराने पर काम करना शुरू कर दिया है, जो न केवल ग्रामीणों के लिए आय का एक और स्रोत बन जाएगा, बल्कि कुछ अलग तलाश रहे पर्यटकों को भी एक अनूठा अनुभव प्रदान करेगा। इससे 'जेन जेड' (1997 और 2010 के बीच पैदा हुए लोग) को कुछ अलग अनुभव करने का अवसर मिलेगा, क्योंकि वे आमतौर पर पारंपरिक पर्यटन या ज्ञात स्थलों को पसंद नहीं करते हैं। मंत्री ने कहा कि पर्यटन मंत्रालय ने नए गंतव्यों की पेशकश करने और देश और दुनिया भर के लोगों को देश की विविधता की ताकत दिखाने के लिए 'अतुल्य भारत' वेबसाइट को नए सिरे से तैयार किया है।

रिपोर्ट

नई दिल्ली में वक्फ संशोधन विधेयक पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के अध्यक्ष जगदंबिका पाल की अध्यक्षता में वक्फ संशोधन विधेयक पर एक प्रतिनिधिमंडल गुरुवार को नई दिल्ली में संसद भवन में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को अपनी रिपोर्ट सौंपता हुए।

कूड़ा

आप सांसद स्वाति मालीवाल विकासपुरी रोड के पास एक ट्रक पर कूड़ा लादकर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की ओर जाती हुई।

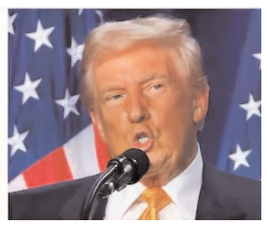

जयशंकर ने ट्रंप को 'अमेरिकी राष्ट्रवादी' कहा; भारत, अमेरिका के बीच मजबूत संबंधों का जिक्र किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत-अमेरिका के बीच मजबूत द्विपक्षीय संबंधों का उल्लेख करते हुए बृहस्पतिवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को एक अमेरिकी राष्ट्रवादी बताया। दिल्ली विश्वविद्यालय(डीयू) के हंसराज कॉलेज में एक संवाद सत्र में जयशंकर ने वैश्विक कूटनीति की उभरती प्रकृति और इसके प्रति भारत के दृष्टिकोण को रेखांकित किया। ट्रंप भारत के मित्र हैं या शत्रु, इस बारे में पूछे गए प्रश्न का उत्तर देते हुए जयशंकर ने कहा, मैंने हाल ही में उनके (ट्रंप के) शपथ ग्रहण समारोह में भाग लिया था और हमारे साथ अच्छा व्यवहार किया गया। मेरा मानना है कि वह एक अमेरिकी राष्ट्रवादी हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि ट्रंप की नीतियां वैश्विक मामलों में महत्वपूर्ण बदलाव ला सकती हैं, लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत की विदेश नीति राष्ट्रीय हित से निर्देशित होती रहेगी। जयशंकर ने कहा, हां, वह (ट्रंप) बहुत सी चीजें बदलेंगे, हो सकता है कि कुछ चीजें उम्मीद के अनुरूप नहीं हों, लेकिन हमें देश के हित में विदेश नीतियों के संदर्भ में खुला रहना होगा। उन्होंने कहा, कुछ मुद्दे हो सकते हैं जिन पर हम एकमत न हों, लेकिन कई क्षेत्र ऐसे होंगे जहां चीजें हमारे दायरे में होंगी। जयशंकर ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ट्रंप के बीच मजबूत व्यक्तिगत संबंधों पर भी जोर देते हुए कहा, अमेरिका के साथ हमारे संबंध मजबूत हैं और मोदी के ट्रंप के साथ अच्छे व्यक्तिगत संबंध हैं।

सत्र के दौरान, जयशंकर ने भारत के बढ़ते वैश्विक प्रभाव और देश के बारे में बदलती धारणाओं के बारे में बात की। उन्होंने कहा, यहां तक कि अब गैर-भारतीय भी खुद को भारतीय कहते हैं, उन्हें लगता है कि इससे उन्हें विमान में सीट मिलने में मदद मिलेगी। जयशंकर ने शिक्षा क्षेत्र और कूटनीति से राजनीति में आने का उल्लेख करते हुए कहा, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं नौकरशाह बनूंगा। राजनीति में मैं अचानक आ गया, या तो इसे भाग्य कहें, या इसे मोदी कहें। उन्होंने (प्रधानमंत्री मोदी) मुझे इस तरह से आगे बढ़ाया कि कोई भी मना नहीं कर सका। उन्होंने रेखांकित किया कि विदेश में रहने वाले भारतीय अभी भी समर्थन के लिए अपनी मातृभूमि पर निर्भर हैं और कहा, जो भी देश के बाहर जाते हैं, वे हमारे पास ही आते हैं। बाहर हम ही रखवाले हैं।

अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में मुकदमों की गति अत्यधिक धीमी; पुतिन के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट लंबित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हेग(नीदरलैंड)। अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय (आईसीसी) द्वारा कांगो के सैन्य कमांडर थॉमस लुबांगा को बाल सैनिकों की भर्ती के लिए 2012 में 14 साल जेल की सजा सुनाये जाने के बाद से इसने विभिन्न मामलों में केवल 11 लोगों को दोषी करार दिया है और तीन फैसले लंबित हैं। आईसीसी ने दर्जनों गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं, जिनमें इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के नाम शामिल हैं। लेकिन अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के समक्ष कई चुनौतियां हैं।

इंटरनेशनल फेडरेशन फॉर ह्यूमन राइट्स के डान्य चैकेल ने कहा, मुकदमों की सुनवाई नहीं हो पाने से न्यायालय की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है। आईसीसी का काम अंतरराष्ट्रीय अपराधों के जिम्मेदार लोगों के खिलाफ जांच करना और उनपर मुकदमा चलाना है। मौजूदा अभियोजक एवं ब्रिटिश वकील करीम खान ने 24 गिरफ्तारी वारंट के लिए अनुरोध किया है। लेकिन कई संदिग्ध (पुतिन जैसे) अदालत के कठघरे से शायद दूर रहेंगे। न तो रूस, ना ही इजराइल अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के सदस्य हैं तथा वे इसके अधिकार क्षेत्र को भी स्वीकार नहीं करते।

न्यायालय के 125 सदस्य देशों में से कई देश, राजनीतिक कारणों से संदिग्धों को गिरफ्तार करने के लिए तैयार नहीं हैं। मंगोलिया ने पिछले साल पुतिन की राजकीय यात्रा के दौरान उनका भव्य स्वागत किया था और उनकी गिरफ्तारी के वारंट को नजरअंदाज कर दिया था। दक्षिण अफ्रीका और केन्या ने सूडान के पूर्व राष्ट्रपति उमर अल-बशीर को गिरफ्तार करने से इनकार कर दिया था। उमर (81) को 2019 में तख्तापलट के जरिए सत्ता से बेदखल कर दिया गया था, लेकिन सूडान के अधिकारियों ने उन्हें आईसीसी को सौंपने से इनकार कर दिया। इटली का दावा है कि लीबिया के सरदार ओसामा अंजीम के लिए आईसीसी वारंट में प्रक्रियागत त्रुटियां थीं। रोम की अपीलीय अदालत के आदेश के तहत उसे इस महीने रिहा कर दिया गया। इतालवी प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने संवाददाताओं से कहा, यह सरकार का फैसला नहीं था। लेकिन इटली, जो आईसीसी का संस्थापक सदस्य है, के पास वारंट को निष्पादित न करने के अपने कारण हो सकते हैं। इस बीच, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल के पहले दिन ही न्यायालय के कर्मचारियों को प्रतिबंधित करने वाले अपने पिछले कार्यकाल के शासकीय आदेश को बहाल कर दिया।

वहीं, एक और अधिक नुकसानदेह कानून, जो न्यायालय को एक संस्था के रूप में प्रतिबंधित करेगा, कांग्रेस (अमेरिकी संसद) के एक सदन से पारित हो चुका है, लेकिन डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसदों के विरोध के कारण अभी सीनेट में अटका हुआ है। पिछले हफ्ते कुछ घंटों के लिए ऐसा लग रहा था कि आईसीसी लीबिया के एक सरदार को हिरासत में लेने के लिए तैयार है। लेकिन इसके बजाय, इटली ने हिरासत केंद्रों के कुख्यात नेटवर्क के सरगना को वापस घर भेज दिया।

प्रयागराज महाकुंभ में माला बेचने वाली युवती बतौर अभिनेत्री फिल्म में नजर आएगी

इंदौर (मध्यप्रदेश)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में जारी महाकुंभ मेले में रुद्राक्ष की माला बेचने के दौरान सुर्खियों में आई एक युवती की किस्मत चमक गई है। निर्देशक सनोज मिश्रा ने इस युवती को बतौर अभिनेत्री अपनी आगामी फिल्म में लेने की घोषणा की है। इंदौर से करीब 100 किलोमीटर दूर महेश्वर में रहने वाली मोनालिसा भोसले अपने परिवार के साथ रुद्राक्ष की माला बेचने प्रयागराज महाकुंभ में गई थी। महाकुंभ क्षेत्र में ली गईं उसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर आने के बाद वह इंटरनेट पर छा गई जहां उसने अपनी खूबसूरत आंखों

के कारण लोगों की तारीफ बटोरी। निर्देशक सनोज मिश्रा ने बृहस्पतिवार को पीटीआई-भाषा को बताया कि उन्होंने मोनालिसा को अपनी आगामी फिल्म द डायरी ऑफ मणिपुर के एक किरदार के लिए चुना है। उन्होंने बताया कि यह फिल्म एक प्रेम कहानी पर आधारित है और मोनालिसा इसकी दो नायिकाओं में शामिल होगी। मिश्रा के मुताबिक, मोनालिसा की सादगी से प्रभावित होकर उन्होंने उसे अपनी फिल्म में मौका देने का फैसला किया। उन्होंने बताया, मैंने मोनालिसा और उसके परिवार से उनके घर जाकर मुलाकात की है। वे मोनालिसा के मेरी फिल्म में काम करने के लिए राजी हो गए हैं। उन्होंने कहा कि यह सच है कि मोनालिसा ने अपने जीवन में कभी अभिनय नहीं किया है, लेकिन इसे उन्होंने एक चुनौती के रूप में लिया है।

निर्मला सीतारमण लगातार 8वें बजट के साथ रचेंगी इतिहास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को लगातार 8वां बजट पेश करने का रिकॉर्ड बनाएंगी। उम्मीद है कि आम बजट में कमजोर पड़ती आर्थिक वृद्धि को सहारा देने तथा महंगाई और स्थिर वेतन वृद्धि से जूझ रहे मध्यम वर्ग को राहत देने के उपाय किए जाएंगे। इसके साथ ही सीतारमण पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई द्वारा अलग-अलग समयावधि में पेश किए गए 10 बजटों के रिकॉर्ड के करीब पहुंच जाएंगी। देसाई ने 1959-1964 के दौरान वित्त मंत्री के रूप में कुल छह बजट और 1967-1969 के बीच चार बजट पेश किए थे। सीतारमण को 2019 में भारत की पहली पूर्णकालिक महिला वित्त मंत्री बनाया गया था। इसी साल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केंद्र में लगातार दूसरी बार सरकार बनाई थी। तब से सीतारमण ने सात बजट पेश किए हैं। स्वतंत्र भारत का पहला आम बजट 26 नवंबर, 1947 को देश के पहले वित्त मंत्री आर के शनमुखम चेट्टी ने पेश किया था। पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई ने प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और बाद में प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के कार्यकाल में वित्त मंत्री के तौर पर कुल 10 बजट पेश किए हैं। पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने नौ मौकों पर बजट पेश किया। प्रणब मुखर्जी ने वित्त मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान आठ बजट पेश किए। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने 1991 से 1995 के बीच लगातार पांच बार बजट पेश किया, जब वह पी वी नरसिम्हा राव सरकार में वित्त मंत्री थे। सबसे लंबा बजट भाषण सीतारमण ने एक फरवरी, 2020 को दो घंटे 40 मिनट का दिया। वर्ष 1977 में हीरूभाई मुलजीभाई पटेल का अंतरिम बजट भाषण अब तक का सबसे छोटा भाषण है, जिसमें केवल 800 शब्द हैं। बजट पारंपरिक रूप से फरवरी के आखिरी दिन शाम पांच बजे पेश किया जाता था।

श्रद्धांजलि

एनसीसी कैडेट गुरुवार को नई दिल्ली में राजघाट पर महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | शुक्रवार | 31-01-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

अपनी संस्कृति और परंपराओं की रक्षा पूरी निष्ठाभावना से की जानी चाहिए। जिनकी संस्कृति सुरक्षित रहती है, सिर्फ उनका ही धर्म और समाज जिंदा रहता है। चीन, इज़रायल, जर्मनी, जापान और खाड़ी के देशों को अपनी संस्कृति पर बहुत नाज़ है। वे अपने परिधान, खानपान, भाषा, संस्कार और रीति-रिवाजों को सदियों से बरकरार रखे हुए हैं। भारत का आधुनिक समाज अपनी संस्कृति और महान संस्कारों को भूलते जा रहा है। मानो न मानो, पर यह सच है कि सांस्कृतिक पतन कत्लखानों से भी अधिक खतरनाक है। पशु कभी अपनी कत्ल के लिये कतारों में खड़े नहीं होते। भारत का आधुनिक मनुष्य तो अपनी कत्ल के लिये कतारों में खड़ा है।

वैष्णव महाविद्यालय में दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'सुसलाइफ2025 : जीवन विज्ञान में सततता' पर विचार-विमर्श

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां द्वारका दास गोवर्धन दास वैष्णव कॉलेज में 'सुसलाइफ 2025 – जीवन विज्ञान में सततता' पर्यावरणीय, आर्थिक और सामाजिक प्रभाव विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और शिक्षाविदों ने जीवन विज्ञान में सततता के विभिन्न पहलुओं पर गहन विचार-विमर्श किया। 29 जनवरी को हुए इस सम्मेलन के उद्घाटन के मौके पर कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एस.संतोष बाबू ने कहा, इस वर्तमान परिदृश्य में विज्ञान और खासकर जीवन विज्ञान में छात्रों को जोड़ना और नए नए शोध के लिए सुविधाएं उपलब्ध कराना हम सभी का प्रमुख दायित्व है।

मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के निदेशक डॉ. ए. अरुण थम्बुराज (आई.ए.एस.) ने उद्घाटन भाषण दिया। डॉ. सेंथिल पलानी, वरिष्ठ वैज्ञानिक, टर्कू पीईटी सेंटर, फिनलैंड ने नई पीईटी ट्रेसर के साथ एथेरोस्क्लेरोसिस का सिंगल-सेल से प्रीक्लिनिकल अध्ययन विषय पर व्याख्यान दिया। इसके अलावा, डॉ. गोपीनाथ आर, प्रधान वैज्ञानिक, इको-टेक्नोलॉजी प्रोग्राम, एम. एस. स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन ने आर्थिक स्थिरता के लिए इको-टेक्नोलॉजी विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

गुरुवार को दूसरे दिन वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक, सीएसआईआर-सीएसआईओ, चेन्नई डॉ. अय्यप्पन जी एस ने प्लास्टिक प्रदूषण को हराना विषय पर व्याख्यान दिया, जबकि पांडिचेरी विश्वविद्यालय एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मथीमारन नटराजन ने स्थिरता के सामाजिक आयाम: चुनौतियाँ और अवसर पर चर्चा की।

समापन समारोह में मद्रास विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक (प्रभारी) डॉ. एलंगोवन वेल्लैचामी ने समापन भाषण दिया। वाइलर्न के संस्थापक वैतीश्वरन वेदागिरी ने अपने विचार व्यक्त किए। सम्मेलन में भाग लेने वाले शोधकर्ताओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

'जो पीछे रह जाते हैं' नाटक का पुनर्मंचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु । शहर की चार दशक पुरानी 'कलायन' नाट्य संस्था एक बार फिर मंचित करने जा रही है प्रसिद्ध रंगकर्मी, लेखक, निर्देशक मथुरा कलौनी का नाटक 'जो पीछे रह जाते हैं।' यह नाटक दो मर्मांतक कथाओं का कोलाज है। एक ओर भगवान राम के भाई लक्ष्मण की पत्नी उर्मिला का मान है तो दूसरी ओर समाज और मीडिया की प्रताड़ना से जूझता एक शहीद का परिवार है। जो पीछे रह जाते हैं शब्द साहित्यिक संस्था के वार्षिकोत्सव का चयनित नाटक है। अब तक इसकी चार प्रस्तुतियाँ हो चुकी हैं। अंतिम प्रस्तुति 8 फरवरी को जागृति थिएटर में होने जा रही है। टिकट जागृति थिएटर में और बुकमाईशो पर उपलब्ध। संपर्क करें9900566480

नाटक के मंचन में कलायन के वरिष्ठ कलाकार हैं संगीता, फारिया, गोविंद, महिमा, संदीप, शेफाली, नैना, शायक, महेश, अभिषेक और अरुण।

पांच दिवसीय हड्डी रोग चिकित्सा शिविर का हुआ शुभारंभ

गोड़वाड़ भवन में कानपुर के हड्डी रोग विशेषज्ञ दे रहे हैं अपनी सेवाएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के लालबाग रोड स्थित गोड़वाड़ भवन में कानपुर के सौभाग्य आयुर्वेद एंड योगा वेलनेस संस्थान द्वारा 5 दिवसीय आयुर्वेदिक शिविर का शुभारंभ इंटरनेशनल वैश्य फेडरेशन बेंगलूरु के अध्यक्ष बाबूभाई मेहता, बीजेएस के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य ओमप्रकाश लूणावत, सामाजिक कार्यकर्ता राजेन्द्रकुमार दांतेवाड़िया, उत्तमचंद जैन, गोड़वाड़ जैन भवन ट्रस्ट के वरिष्ठ कुमारपाल सिसोदिया, ट्रस्ट के सहकोषाध्यक्ष राजेशकुमार राठौड़ आदि के दीप प्रज्वलन के साथ हुआ । यह चिकित्सा शिविर निःशुल्क नहीं है। प्राप्त जानकारी के अनुसार परामर्श शुल्क 2 हज़ार रु है तथा यहाँ एवीएन नामक घातक बीमारी का इलाज भी किया जा रहा है । इस विशेष बीमारी की चिकित्सा भी रियायती दर पर उपलब्ध है । बताया गया कि यदि कानपुर जाकर इस चिकित्सा का लाभ लें तो लगभग 40 हज़ार रु का खर्च आता है जबकि यहाँ यह मात्र 20 हज़ार रु में उपलब्ध है । इस चिकित्सा शिविर में रीढ की हड्डी, जोडों के दर्द एवं कूल्हे के समीप एवीएन जैसी बीमारियों का इलाज किया जा रहा है । इसमें चिकित्सक डॉ. विजयप्रकाश एवं उनकी टीम द्वारा आयुर्वेद पद्धति से बिना ऑपरेशन उपचार किया जा रहा है । पंजीकरण कराकर इस चिकित्सा का लाभ लिया जा सकता है। यहाँ तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश सहित बेंगलूरु एवं कर्नाटक भर से कई रोगियों ने रजिस्ट्रेशन करवाकर चिकित्सा लाभ लेना प्रारंभ कर दिया हैं।

विशेष रूप से एवीएन नामक बीमारी की चिकित्सा हेतु विशेषज्ञ टीम भी शिविर में अपनी सेवाएं दे रही है। ज्ञातव्य रहे कि एवीन (अवस्कुलर नेर्कोसिस) एक ऐसी बीमारी है जिसमें रक्त प्रवाह की कमी के कारण हड्डी के ऊतक मर जाते है जिससे कूल्हे के समीप की हड्डी क्षतिग्रस्त हो जाती है । इस बीमारी को ऑस्टियोनेक्रोसिस के नाम से भी जाना जाता है ।

स्व से जुड़ने के लिए मौन रहना जरूरी है : साध्वी प्रतिभाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अक्कीपेट के तत्वावधान में अक्कीपेट स्थानक में विराजित महासाध्वी डॉ प्रतिभाश्रीजी ने अपने प्रवचन मे कहा कि जो भी महापुरुष हुए हैं उन्होंने स्व से जुड़ कर आत्म कल्याण किया। स्व से जुड़ने के लिए मौन रहना जरूरी है। भगवान महावीर ने दीक्षा लेने के बाद 12 वर्ष तक जब तक उनको केवलज्ञान प्राप्त नहीं हुआ तब तक मौन ही रहे तब तक उन्होंने उपदेश नहीं दिया। पर से जुड़ने के लिए वचन व्यवहार करना पड़ता है। पांच इंद्रियों में चार इंद्रियों का अपना अपना एक ही काम होता है पर रसनेंद्रिय के दो काम होते हैं खाना और बोलना। आज बोलने में विवेक नहीं रखने के कारण घर परिवार टूट रहे हैं अधिक बोलने वाला इज्जत खोता है। घुंघरू आवाज करते हैं इसलिए पैरों में बांधे जाते हैं, हीरा शांत रहता है इसलिए मुकुट में जड़ा जाता है। द्रोपदी द्वारा बोलने में विवेक नहीं रखने के कारण महाभारत हुआ। कम बोलने वालों की हमेशा घर परिवार और समाज में पूछ रहती है।

इससे पूर्व साध्वी ऋषिताश्रीजी ने जीवन निर्माण की चार बातें बताते हुए कहा कि व्यक्ति को अति महत्वाकांक्षी नहीं बनना चाहिए अति महत्वाकांक्षी स्वार्थी होता है और सिर्फ अपना ही सोचता है। दुसरी बात, व्यक्ति को बात बात पर आवेश नहीं करना चाहिए । क्रोध से स्वास्थ्य की हानि होती है समाज में बदनामी होती है और क्रोध करने से पुण्यवानी घटती है।

तीसरी बात जीवन में कभी कोई ऐसी गलत आदत या लत नहीं लगानी जिससे हमारा स्वास्थ्य बर्बाद हो जाए, घर परिवार बर्बाद हो जाए। हमें अपने संबंधों को बचाने के लिए बुरी लत से बचे रहना चाहिए। चौथी बात, आज हर तरफ आकर्षण का जोर है। हमें आकर्षण में फंसना नहीं चाहिए। आकर्षण से लोभ बढ़ता है । और लोभ से परिग्रह बढ़ता है। हमें हमेशा आसक्ति कम करनी चाहिए। सहमंत्री विनोद भूरट ने संचालन किया।

अग्रवाल विद्यालय एंड जूनियर कॉलेज ने बनाया नया विश्व रिकॉर्ड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अग्रवाल रिलीफ एंड एजुकेशनल ट्रस्ट के स्वर्ण जयंती वर्ष और अग्रवाल विद्यालय एंड जूनियर कॉलेज के 43 वर्षों की शैक्षणिक उत्कृष्टता में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि जुड़ गई। 29 जनवरी को अग्रवाल विद्यालय एंड जूनियर कॉलेज ने एकल स्थान पर 10 घंटे में लगातार संक्षिप्ताक्षर सुनाने वाले सर्वाधिक प्रतिभागी श्रेणी में एलाइट वर्ल्ड रिकॉर्ड्स और तमिलन बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा प्रमाणित आधिकारिक विश्व रिकॉर्ड हासिल करके अपनी उपलब्धियों में एक और उपलब्धि जोड़ ली है। इस असाधारण उपलब्धि में कक्षा 1 से 9 तक के 333 प्रतिभाशाली छात्र शामिल थे, जिन्होंने लगातार दस घंटे की अवधि में कई प्रकार के संक्षिप्ताक्षरों का उच्चारण किया, जिससे समग्र शिक्षा और शैक्षिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए विद्यालय की प्रतिबद्धता उजागर हुई।

यह रिकॉर्ड अग्रवाल विद्यालय के परिसर में सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक किया गया। प्रतिभागियों की दृढ़ता, टीम वर्क और समर्पण का जश्न प्रशस्ति पत्र समारोह के दौरान मनाया गया। जहाँ सभी छात्रों को उनकी उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम को एलाइट वर्ल्ड रिकॉर्ड्स और तमिलन बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा आधिकारिक रूप से प्रमाणित किया गया, जिससे वैश्विक स्तर पर इसकी पहचान बनी। इस कार्यक्रम के सम्मानित निर्णायक एलाइट वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की वरिष्ठ निर्णायक सुश्री भावना नवनीत और तमिलन बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के वरिष्ठ रिकॉर्ड मैनेजर डॉ. बी. बाला सुब्रमण्यम थे।

विश्व रिकॉर्ड बनाने के इस प्रयास ने आज की तेज़-रफ़्तार दुनिया में प्रभावी संचार और समझ के लिए आधारभूत कौशल के रूप में संक्षिप्ताक्षरों के महत्व पर ज़ोर दिया। इस पहल ने छात्रों को अपनी शब्दावली समृद्ध करने, संज्ञानात्मक क्षमताओं को मज़बूत करने और विज्ञान, प्रौद्योगिकी और सामान्य ज्ञान जैसे विविध क्षेत्रों में रुचि विकसित करने में सक्षम बनाया। इस कार्यक्रम की परिकल्पना अग्रवाल विद्यालय एंड जूनियर कॉलेज के अध्यक्ष मधुसूदन खेमका, सचिव एवं संवाददाता मुरारीलाल सोंथलिया, संयुक्त सचिव राजेश छावछरिया, संयुक्त संवाददाता शालिनी अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सावरमल खेमका तथा समस्त समिति सदस्यों के दूरदर्शी मार्गदर्शन में की गई थी। रिकॉर्ड बनाने के इस प्रयास को प्रधानाचार्या सी. विजयलक्ष्मी और वरिष्ठ उपप्रधानाचार्य एम. रघुदेव, उप प्रधानाचार्या माहेश्वरी मारन एवं शिक्षकगणों के सामूहिक प्रयासों ने संभव बनाया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत मुलाकात

बेंगलूरु के प्रवासी राजस्थानी कर्नाटक संघ के महामंत्री जवरीलाल लुणावत व पूर्व कोषाध्यक्ष छैलसिंह दहिया ने कांग्रेस की वरिष्ठ नेता व कर्नाटक महिला कांग्रेस की अध्यक्ष सौम्या रेड्डी से एवेन्यु रोड स्थित रिलायंस स्टेशनरी मार्ट में मुलाकात कर उनका सम्मान किया। रेड्डी ने प्रवासियों से अपील कर अनुरोध किया कि प्रवासी ज्यादा से ज्यादा संख्या में संगठन से जुड़े एवं नारी शक्ति को भी जोड़ने हेतु प्रयास करें। रेड्डी ने प्रवासियों के हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। लुणावत ने रेड्डी से अनुरोध किया कि वे कर्नाटक सरकार से बेंगलूरु से राजस्थान तक वातानुकूलित स्लीपर बसें संचालित करवाने की कोशिश करें ताकि प्रवासियों को सुविधा हो एवं सरकार को भी राजस्व मिले।

'स्वाध्याय ज्ञानवृद्धि का प्रमुख साधन हैं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर के तत्वावधान में आयोजित प्रवचनसभा में श्री वसंतमुनिजी म.सा. ने मानव जीवन की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मानव जीवन अति दुर्लभ है। जो पूर्व भव की अनंत पुण्यवानी से हमें प्राप्त होता है। भगवान महावीर ने श्री उत्तराध्ययन सूत्र में चार दुर्लभ अंग बतलाये है, वह है मनुष्यत्व, श्रुत, श्रद्धा और संयम में पराक्रम मन से शुभ भाव रखो, वचन से मधुर बोलो और काया से यथासंभव सेवा, सहयोग, परोपकार की भावना रखें। स्वाध्याय ज्ञानवृद्धि का प्रमुख साधन हैं। सामायिक और प्रतिदिन स्वाध्याय करने से साधक अज्ञान अंधकार को दूर कर अपने जीवन में सम्यक ज्ञान की रोशनी से आत्म मंदिर को आलोकित, सुवासित कर सकता है। राग और द्वेष कर्म बंधन के प्रमुख कारण है। प्रारंभ में श्री अभिजीतमुनिजी म.सा. ने सभा को सम्बोधित किया। इस अवसर पर संघ अध्यक्ष गौतमचंद सिंघवी, कनकमल नंदावत, संजय कचोलिया, प्रवीण धोका आदि अनेक भक्त श्रद्धालुगण धर्मसभा में उपस्थित थे।

जयपुर बर्ड फेस्टिवल कल

जयपुर। राजस्थान में हो रहे बर्ड फेस्टिवल की श्रृंखला में पहली बार ग्रीन पीपल सोसाइटी उदयपुर (जयपुर चैप्टर) द्वारा शनिवार, 1 फरवरी को जयपुर बर्ड फेस्टिवल-2025 का आयोजन किया जा रहा है। फेस्टिवल संयोजक रिटायर्ड आईएएस विक्रम सिंह ने बताया कि जामडोली के पास कानोता कैंप रिसोर्ट में आयोजित होने वाले इस फेस्टिवल में लगभग 500 विद्यार्थियों, शिक्षकों व बर्ड प्रेमियों के लिए विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जाएगी।

जिनकी संस्कृति सुरक्षित, सिर्फ उनका ही धर्म और समाज जिंदा रहता है : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चिकमगलूर। यहां नमिनाथ जैन मंदिर के पास नमि-बुद्धि-वीर वाटिका के पंडाल में गुरुवार को विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि अपनी संस्कृति और परंपराओं की रक्षा पूरी निष्ठाभावना से की जानी चाहिए। जिनकी संस्कृति सुरक्षित रहती है, सिर्फ उनका ही धर्म और समाज जिंदा रहता है। चीन, इज़रायल, जर्मनी, जापान और खाड़ी के देशों को अपनी संस्कृति पर बहुत नाज़ है। वे अपने परिधान, खानपान, भाषा, संस्कार और रीति-रिवाजों को सदियों से बरकरार रखे हुए हैं। भारत का आधुनिक समाज अपनी संस्कृति और महान संस्कारों को भूलते जा रहा हैं। मानो न मानो, पर यह सच है कि सांस्कृतिक पतन कत्लखानों से भी अधिक खतरनाक है। पशु कभी अपनी कत्ल के लिये कतारों में खड़े नहीं होते। भारत का आधुनिक मनुष्य तो अपनी कत्ल के लिये कतारों में खड़ा है।

जैनाचार्य ने कहा कि भारत की नई पीढियां अपनी राष्ट्रभाषा और स्थानीय मातृभाषा भूलती जा रही हैं। स्वयं के रीतिरिवाजों में उनकी रुचि नहीं हैं। उनके परिधान, खानपान, संस्कार, सब बदलते जा रहे हैं। वे अंग्रेजों की गुलाम बनकर फैशन के नाम पर फटे हुए, बेहूदे और कम कपड़े पहनती जा रही हैं। स्वास्थ्य के लिए हानिकारक विदेशी व्यंजन खाने के शौक बढ़ते जा रहे हैं। स्वास्थ्यवर्धक भारतीय भोजन भुलाया जा रहा है। वे शराब, हुक्का, गुटखा, धूम्रपान, ड्रग, क्लब संस्कृति, ऑनलाइन गेमिंग और विजातीय मित्रता जैसी बुराइयों में बरबादी के कगार पर पहुंच गई हैं। इनके कारण डिप्रेशन, अपराध और आत्महत्याओं की घटनाओं में निरंतर बढ़ोतरी हो रही है। यह सब भारतीय राष्ट्र और उसके समाज के लिये अत्यंत घातक व चिंताजनक विषय है। लोग पशु-पक्षियों और पर्यावरण के संरक्षण की बातें करते हैं और यहां तो भारतीय समाज का भविष्य ही दांव पर लगा है। जब हमारी नई पीढियां जवानी से पहले ही बरबाद हो जाएगी तो पशु-पक्षियों और पर्यावरण को बचाने का औचित्य भी क्या बचेगा? गुरुवार को नूतन माह के उपलक्ष्य में नमिनाथ जिनालय में श्रीसंघ ने सामूहिक चैत्यवंदना की। संगीतमय मंत्रजाप का आयोजन हुआ। रात्रिकालीन ज्ञानसत्र में गणि पद्मविमलसागरजी ने शास्त्रों की बातों के रहस्यों का विस्तार से प्रकाशन किया।

आईवीएफ की राष्ट्रीय क्रिकेट प्रतिस्पर्धा में कर्नाटक की टीम भी लेगी हिस्सा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। अन्तर्राष्ट्रीय वैश फ़ेडरेशन(आईवीएफ) द्वारा राष्ट्रीय क्रिकेट प्रतिस्पर्धा का आयोजन जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में 6 फरवरी से 10 फरवरी तक किया जा रहा है। फेडरेशन के सहमंत्री ललित डाकलिया ने बताया कि देश की आठ राज्यों की टीमें भाग लेंगी जिसमें पूरे कर्नाटक के खिलाडियों से सजी टीम इस प्रतियोगिता में नंबर एक बनने की होड़ में उतरेंगी। टीम में बेंगलूरु से मधु बाबू, अक्षय, शबरीश, रितेश, हर्ष, किशन, अंकोला से विष्णु, निखिल, चित्रदुर्ग से राघवेंद्र, मधुगिरि से श्रीकांत, उडुपी से प्रणाम, रायचूर से राघवेंद्र, रामचन्द्र, दावणगेरे से राघवेंद्र, श्रीनिवासपुरा से शिवु जैसे हरफनमौला खिलाड़ी इस प्रतिस्पर्धा में भाग लेने जा रहे हैं। इस क्रिकेट प्रतियोगिता में कर्नाटक की ओर से प्रायोजक केया होम्स कम्पनी है और खिलाड़ियों के हवाई टिकट आईवीएफ कर्नाटक द्वारा प्रायोजित किए जा रहे हैं। इस क्रिकेट प्रतिस्पर्धा में टीम भेजने व तैयारियों को लेकर एक बैठक आयोजित हुई जिसमें अध्यक्ष आरपी रविशंकर ने सभी सदस्यों का स्वागत किया। राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बिपिनराम अग्रवाल ने प्रतियोगिता की विस्तार से जानकारी प्रदान की। इस बैठक में प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष बाबूभाई मेहता, महामंत्री शबरीश, शुभाश्री, सहमंत्री ललित डाकलिया, हरिप्रसाद वर्धा, महिला विंग अध्यक्षा रितु अग्रवाल, संदीप चनानी, मितेश खंडेलवाल, अनुपम अग्रवाल, साईंराज आदि सदस्य उपस्थित थे।

सुंधा माता भक्ति संध्या 2 फरवरी को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री सुंधा माताजी भक्त मंडल द्वारा 'एक शाम श्री सुंधा माता जी के नाम' भक्ति संध्या कार्यक्रम का आयोजन रविवार 2 फरवरी को साहूकारपेट स्थित श्री राजेश्वर भवन में किया जा रहा है। मंडल के अध्यक्ष किशनराज गजानी ने बताया कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी भक्ति संध्या का आयोजन बड़े हर्ष उल्लास के साथ मनाने का निर्णय मंडल के सदस्यों द्वारा लिया गया है। यह कार्यक्रम लगातार उन्नीस वर्षों से अनवरत आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम में ललिता पवार, सुरेंद्र पवार एंड पार्टी जोधपुर से विशेष रूप से कार्यक्रम में भजनों की प्रस्तुति देंगे। कार्यक्रम में मंच संचालन डार्विन शर्मा करेंगे। कार्यक्रम की तैयारियों में मंडल सदस्य जुटे हुए हैं।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Aditya at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.